RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 67 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 20 दिसंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

छत्तीसगढ़ आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल ने किया आमंत्रित

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अगले माह छत्तीसगढ़ दौरे पर आ सकती हैं। राजधानी रायपुर में होने वाले अलग अलग समारोहों के लिए छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने राष्ट्रपति को चीफगेस्ट के तौर पर आमंत्रित किया है। राष्ट्रपति ने भी अपनी सहमति जताई है। संभावना है अगले माह राष्ट्रपति का छत्तीसगढ़ का दौरा हो।

उल्लेखनीय है कि राज्यपाल अनुसुईया उइके ने मंगलवार राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही राज्यपाल ने 12 जनवरी 2023 को प्रदेश के प्रतिष्ठित शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर के स्थापना के 75वें वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित 'हीरक जयंती समारोह, एमिटी विश्वविद्यालय रायपुर के दीक्षांत समारोह तथा आदिवासी शिव संस्कृति समिति, जिला-नर्मदापुरम द्वारा 12 से 18 फरवरी 2023 को आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया।

राष्ट्रपति ने अपने निर्धारित कार्यक्रमों के अनुरूप यथासंभव आने की बात कही। इस दौरान राष्ट्रपति को राज्यपाल उइके ने राजभवन की त्रैमासिक पत्रिका एक आशा की प्रति भी भेंट की और राजभवन सचिवालय की नवाचार संबंधी गतिविधियों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति का शाल व स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिवादन किया।

कलिंगा यूनिवर्सिटी में भिड़े सीनियर-जूनियर, जमकर चले लात-जूते, तोड़फोड़ भी हुई

रायपुर। राजधानी के कलिंगा यूनिवर्सिटी में मंगलवार के सीनियर व जूनियर छात्रों के बीच जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षें में झड़प के साथ तोड़फोड़ भी हुई है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना मंदिर हसौद थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

कुम्हारी फ्लाईओवर हादसे में अनाथ हुई बच्ची को गोद लेगी सरकार, सीएम बघेल ने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुम्हारी फ्लाईओवर हादसे के बाद अनाथ हुई बच्ची को छत्तीसगढ़ सरकार गोद लेगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को ट्वीट का इसकी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इससे पहले हादसे के दिन भी मृतक पति-पत्नी के संबंध में संवेदना जता चुके हैं। हादसे में अनाथ हुई बच्ची को गोद लेने की बात कहकर सीएम भूपेश बघेल ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया है।

बता दें 10 दिन पहले कुम्हारी फ्लाईओवर पर भी ठेका कंपनी की लापरवाही से बड़ा हादसा हुआ था। जंजगिरी से रायपुर जा रहे पति पत्नी व उसकी बेटी फ्लाईओवर के अधूरे हिस्से से जा रहे थे और बीच में पुल से नीचे गिर गए। हादसे में रायपुर चंगोराभाटा निवासी आजु राम देवांगन व उसकी पत्नी निर्मला देंवांगन की मौत हो गई थी। हादसे के समय में इनके साथ इनकी बेटी अन्नु देवांगन भी बाइक पर सवार थी लेकिन उसकी जान बच गई। हादसे के बाद अन्नु देवांगन को ठेका कंपनी की ओर से 15 लाख रुपए की राशि दी गई है। अब सरकार ने अन्नु की जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा है कि कुम्हारी फ्लाईओवर में दुखद घटना में अनाथ हुई बच्ची अब हम सबकी जिम्मेदारी है। हमने इस बच्ची को गोद लेने का निर्णय लिया है। बच्ची की समस्त जिम्मेदारी अब सरकार की है। सीएम भूपेश बघेल की घोषणा के बाद अब बच्ची की पढ़ाई से लेकर उसकी तमाज जरूरतों को सरकार पूरा करेगी। सीएम भूपेश बघेल की इस घोषणा ने एक बार फिर दिखाया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ऐसे मामलों में कितने संवेदनशील हैं।

कुम्हारी फ्लाईओवर हादसे के बाद भी लापरवाही, नाले के गड्ढे में गिरा बाइक सवार, बाल-बाल बची जान

भिलाई। कुम्हारी फ्लाईओवर हादसे के बाद भी ठेका कंपनी सचेत नहीं हुआ है। ताजा मामले में सुपेला चौक पर बड़ी लापरवाही सामने आई है। सोमवार रात को सुपेला चौक पर नाली के लिए खोदे गए गहरे गड्?ढ़े में बाइक सवार युवक गिर गया। नाले में गिरने से वह बेहोश हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया। युवक की हालत तो फिलहाल ठीक है लेकिन घटना से उसका बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

इस हादसे में भी ठेका कंपनी की बड़ी लापरवाही सामने आई है। दरअसल जहां पर नाली बनाने के लिए गहरा गड्?ढ़ा किया गया है वहां पर सुरक्षा के लिए किसी प्रकार के घेराबंदी नहीं की गई। बाइक सवार युवक एक किनारे से चल रहा था इस दौरान ट्रैफिक का दबाव भी था। इस दौरान अनबलैंस होकर सीधे गहरे गड्?ढ़े में गिर गया। हादसे में

बाल-बाल उसकी जान बची। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बाइक सवार को अस्पताल पहुंचाया और गड्?ढ़े के चारों ओर घेराबंदी भी की। घटना की सूचना सुपेला पुलिस को भी दी गई है।

10 दिन पहले हुआ कुम्हारी में हादसा

बता दें 10 दिन पहले कुम्हारी फ्लाईओवर पर भी ठेका कंपनी की लापरवाही से बड़ा हादसा हुआ था। जंजगिरी से रायपुर जा रहे पति पत्नी व उसकी बेटी फ्लाईओवर के अधूरे हिस्से से जा रहे थे और बीच में पुल से नीचे गिर गए। हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई। इस हादसे का कारण भी ठेका कंपनी की लापरवाही रही। कंपनी ने निर्माणाधीन फ्लाईओवर में वाहनों को चलने से रोकने के लिए बेरीकेड्स नहीं लगाए थे। इसके कारण बाइक सवार को अंदाजा नहीं था और वह हादसे का शिकार हो गया। इसी दिन एक कार सवार भी ठीक उसी जगह पर गिरा था। हादसे के बाद ठेका कंपनी ने बेरिकेडिंग की थी।

रायपुर एयरपोर्ट जाएगा निजी हाथों में, 25 हवाई अड्डों को लीज पर देगी सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट का संचालन अब निजी कंपनी करेगी। तीन साल के लिए इस एयरपोर्ट का संचालन लीज पर निजी हाथों को दिया जाएगा। नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री वीके सिंह ने सोमवार को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि नेशनल मोनिटाइजेशन पाइप लाइन के अनुरूप एयरपोर्ट अथॉरिटी के 25 हवाई अड्डों को लीज पर देने के लिए चिह्नित किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की सर्वसुविधा युक्त एयरपोर्ट भी शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार देश के 25 हवाई अड्डों को साल 2022 से 2025 तक की अवधि के लिए निजी कंपनियों को लीज पर दिया जाएगा। ये हवाई अड्डे अभी एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया संचालित करती है।

पीपीपी मॉडल के लिए चुना गया

राजधानी रायपुर के साथ ही मध्यप्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत देश में 25 हवाई अड्डे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत निजी हाथों को सौंपने के लिए चुने गए हैं। इनमें भुवनेश्वर, वाराणसी, अमृतसर, त्रिची, रायपुर, कालीकट, कोयम्बटूर, नागपुर, पटना, मदुरै, सूरत, रांची, चैन्नई, विजयवाड़ा, वड़ौदरा, तिरुपति, हुबली, इंफाल, अगरतला, देहरादून व राजामुंदरी हवाई अड्डे भी शामिल हैं।

यात्रियों को मिलेगा लाभ

नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री वीके सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ने दिल्ली, मुम्बई, लखनऊ, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, मैंगलुरू, गुवाहाटी, अहमदाबाद व तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डों को संचालन, प्रबंधन व विकास के उद्देश्य से निजी कंपनियों को पीपीपी पर सौंपा है। यह काम जनहित में किया गया है। राज्य व यात्रियों को हवाई अड्डों के विकास व सुविधाएं बढने से काफी लाभ हुआ है। इससे राज्यों की आर्थिक स्थिति को भी फायदा पहुंचा है।

इंग्लैंड ने रचा इतिहास: पहली बार पाकिस्तान को किया क्लीन स्वीप तीसरा टेस्ट 8 विकेट से जीता

कराची (एजेंसी)। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को कराची में खेले गए तीसरे टेस्ट में आठ विकेट से हरा दिया। इस मैच को जीतने के साथ ही इंग्लिश टीम ने पाकिस्तान का तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया है। रावलपिंडी में खेला गया पहला टेस्ट इंग्लैंड ने 74 रन से और दूसरा टेस्ट 26 रन से जीता था। इंग्लैंड ने टेस्ट इतिहास में पहली बार पाकिस्तान को क्लीन स्वीप किया है। वहीं, पाकिस्तान की टीम भी अपने घर में पहली बार टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप हुई है।

तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 304 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने 354 रन बनाए और 50 रन की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में पाकिस्तान ने 216 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 167 रन का लक्ष्य रखा था। इंग्लैंड ने दो विकेट पर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। सबसे ज्यादा अहम यह है कि पाकिस्तान को कराची में तीसरे टेस्ट में हार मिली है। यह पाकिस्तान का पसंदीदा ग्राउंड है और यहां किसी भी टीम का एक वेन्यू पर हाईएस्ट विन-लॉस रेशियो है। पाकिस्तान ने इस मैदान पर 23 मैच जीते हैं।

दोनों के बीच यह 89वां टेस्ट मैच था। इसमें से इंग्लैंड ने 29 और पाकिस्तान ने 21 मैच जीते हैं। 39 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान में दोनों के बीच खेला गया यह 27वां टेस्ट था। इसमें से इंग्लैंड ने पांच और पाकिस्तान ने चार मैच जीते हैं। 18 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। इंग्लैंड की इस जीत को 'बैजबॉल' इफेक्ट का नतीजा भी माना जा रहा है। दरअसल, बैज इंग्लैंड के टेस्ट कोच ब्रैंडन मैकुलम का निकनेम है। उनके कोच और बेन स्टोक्स के कप्तान बनते ही इंग्लैंड की टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है।

स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड की टीम 11 टेस्ट खेल चुकी है। इसमें से नौ मैचों में इंग्लिश टीम को जीत मिली और सिर्फदो टेस्ट में उन्हें हार मिली है। वहीं, बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान ने 16 टेस्ट खेले हैं। इसमें से पाकिस्तानी टीम को आठ में जीत मिली और छह में हार मिली है। दो टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।

नेपाल-भूटान बार्डर की सुरक्षा से लेकर छत्तीसगढ़ के जंगलों में तैनात है सशस्त्र सीमा बल

श्रीकंचनपथ न्यूज

एसएसबी की मौजूदगी से रावघाट रेल परियोजना को मिला जीवनदान

59 वें स्थापना दिवस पर विशेष

भिलाई। बीएसपी की लाइफलाइन रावघाट प्रोजक्ट में पिछले 8 साल में एसएसबी की वजह से कई उपलब्धियां जुड़ गई। दल्लीराजहरा से रावघाट तक 95 किलोमीटर में अब तक 55 किलोमीटर से ज्यादा का काम पूरा हो चुका है। अंतागढ़ से आयरन शिफ्ट करने का काम भी शुरू हो चुका है। इन आठ साल में सशस्त्र सीमा बल और अन्य सुरक्षा बलों की मौजूदगी ने माओवादियों को भागने मजबूर कर दिया। 2014 में पहली बार जब एसएसबी की बटालियन अंतागढ़ क्षेत्र में पहुंची तो रेल लाइन का काम एक इंच भी नहीं सरका था, लेकिन महज आठ साल में ही एसएसबी ने अपनी मौजूदगी के साथ ही आरवीएनएसल को कड़ी सुरक्षा प्रदान की। जिसके बाद काम में लगातार तेजी आने लगी। यह बातें एसएसबी सेक्टर हेडक्वार्टर के कमांडेंट अशोक ठाकुर ने श्रीकंचनपथ से खास बातचीत में कही। उन्होंने स्थापना दिवस पर एसएसबी के इतिहास को भी बताया। कमाडेंट श्री ठाकुर ने बताया कि 1962 में जब चीन की लड़ाकी के बाद

चीन के सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों भय का माहौल व्याप्त हो गया था. इसी दौरान भारत सरकार ने 1963 में विशेष सेवा ब्यूरो का गठन किया। बल का प्राथमिक उद्देश्य चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का मुकाबला करना था। इसी दौरान 1963 में एक अद्वितीय बल बनाया गया जो भारत और चीन सीमा पर तैनात होकर भारतीय सेना को भी मदद करें। यह एसएसबी का शुरुआती दौर था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली में सुधार स्वरूप मंत्रीमंडल की सिफारिशों के बाद जून 2001 में एसएसबी को भारत-नेपाल सीमा के लिए बॉर्डर गार्डिंग फोर्स के रूप में घोषित किया गया था। जिनको नेपाल से लगी 1751 किमी सीमा की सुरक्षा का काम सौंपा गया था और साथ-साथ 2004 से 699 किमी भारत भूटान सीमा की रखवाली का काम भी सौंपा गया था।

2003 में बदला नाम

कमाडेंट अशोक ठाकुर ने बताया कि स्पेशल सर्विस ब्यूरो का नाम बदलकर 2003 से एसएसबी को सशस्त्र सीमा बल के नाम से जाने जाना लगा। केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों के संसाधनों को समाहित कर सशस्त्र सीमा बल ने सीमावर्ती गांवों में कई विकास के काम कराए और उनका विश्वास जीता। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा भी उपलब्ध कराई। वही अरुणाचल प्रदेश में हिन्दी के प्रचार का श्रेय एसएसबी को जाता है। एसएसबी, जम्मू और कश्मीर में काउंटर इंसजेंसी ऑपरेशन और झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियानों में भी अपना योगदान दे रही है।

भीड़ पर पत्थर फेंकने की राजनीति

श्रीकंचनपथ

यह खेल बड़ा पुराना है. उपद्रव करना हो तो रैली, सभा पर पथराव करवा दो. पथराव प्रायोजित भी हो सकता है. पथराव वह भी करवा सकता है जिसने रैली या सभा का आयोजन किया हो. पथराव वह भी कर सकता है जिसे सभा या रैली पसंद न आ रही हो. पथराव उपद्रवी भी कर सकते हैं जिनका उद्देश्य केवल मजा लेना होता है. ऐसे लोगों ने ही वंदे भारत पर पथराव किया था. ऐसे लोगों को तोड़फोड़ करने और हंगामा खड़ा करने में मजा आता है. पर भिलाई के सुपेला स्थित गदा चौक पर जो हुआ वह साधारण समझ से परे है. भाजपा यहां सत्ता में नहीं है इसलिए उसके खिलाफ कोई आक्रोश भी नहीं है. रही बात कांग्रेस की तो वह पथराव कर भाजपा को टीआरपी लेने का मौका तो बिल्कुल भी नहीं देना चाहेगी. एक क्षीण सी संभावना बनती है कि भाजपा के एक नेता पिछले कुछ समय से राज्य के मुख्यमंत्री पर बेलगाम जुबानी हमले कर रहे हैं. वह इस सभा में उपस्थित थे. पर इसे लेकर कोई पथराव करेगा और वह भी प्रतीकात्मक, इसकी संभावना कम ही दिखती है. ऐसे लोगों को काले झंडे दिखाने का चलन रहा है. कांग्रेस में ऐसे मनचले नेता भी हुए हैं जो फ्लेक्स-पोस्टरों से झांकते चेहरों पर कालिख पोतते रहे हैं. पर यह सब इतिहास की बातें हैं. सुपेला का गदा चौक एक भीड़-भाड़ वाला इलाका है. पथराव करने वाले बड़े संवेदनशील निकले. उन्होंने 4-6 पत्थर ही फेंके. उन्होंने इस बात का खास ध्यान रखा कि किसी को चोट न आए. वरना मरहम पट्टी करवाकर लोग इलेक्ट्रानिक मीडिया को बाइट दे रहे होते. इस पथराव के बाद केवल इतना ही हो पाया कि पत्थर का एक टुकड़ा उठाकर भाजपा जिलाध्यक्ष कांग्रेस पर आरोप लगा पाए. दरअसल, पिछले कुछ समय से पथराव की राजनीति ने जोर पकड़ हुआ है. लोगों को गुस्सा तो टीवी पर आने वाले बेलगाम नेताओं पर आता है पर वे अपना ही टीवी सेट तो नहीं फोड़ सकते. लिहाजा भड़ास को कहीं और निकालते हैं. गुजरात में आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर पथराव का आरोप लगाया. पश्चिम बंगाल में भाजपा की बसों पर पथराव हुआ. कल इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रों ने पथराव कर दिया. अलीगढ़ में मस्जिद पर पथराव हुआ तो संभल में कांवड़ियों पर छत से पत्थर बरसाए गए. गालियां देना और पत्थर फेंकना कमजोरों का हथियार है. लोग यह रास्ता तब चुनते हैं जब किसी के खिलाफउनका कोई जोर नहीं चलता. उसका मन तो करता है कि आगे बढ़े और वाही-तबाही बकने वाले का मुंह नोच ले, पर हालात उसका रास्ता रोकते हैं. ऐसे लोग भी पत्थर मार सकते हैं. पर वो निशाना लेकर पूरी ताकत से पत्थर फेंकते हैं. जो ऐसा कर पाते हैं वो या तो शहीद हो जाते हैं या फिर नेता बन जाते हैं. ऐसे बेकार में पत्थर कौन बरसाता है? तो क्या ये कंकड़ किसी गाड़ी के टायर से उछले थे?

संपादकीय

अर्जेंटीना की जीत

खेलों के एक सबसे महंगे आयोजन का समापन अर्जेंटीना की जीत के साथ होना बहुत सुखद और प्रेरक है। आम तौर पर फुटबॉल के मैदान में यूरोपीय देशों का वर्चस्व देखा गया है, लेकिन बीस वर्ष बाद एक दक्षिण अमेरिकी देश की जीत वास्तव में फुटबॉल की जीत है। पिछली बार अर्जेंटीना ने साल 1986 में डियागो माराडोना के नेतृत्व में विश्व कप जीता था और माराडोना के ही एक प्रिय खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने कतर में आयोजित फुटबॉल के महासमर में अपने देश का नाम रोशन कर दिया है। यह जीत ऐसी है और इतने लंबे इंतजार के बाद आई है कि वह पूरा देश झूम रहा है, क्रिसमस और नए साल का जश्न अभी से शुरू हो गया है। फुटबॉल के एक महानतम खिलाड़ी डियागो माराडोना को दुनिया से गए दो साल हो गए। पहले खिलाड़ी के रूप में और उसके बाद कोच के रूप में उन्होंने अपने देश को फिर विश्व कप दिलाने के लिए खूब संघर्ष किए। माराडोना कुछ शिकायतों के बावजूद मेसी को उत्तराधिकारी मानते थे। आज लोग कह रहे हैं कि मेसी अनेक मामलों में माराडोना से भी आगे निकल गए हैं। व्यवस्थित जीवन और सहज व्यवहार मेसी को अलग ही श्रेणी में खड़ा कर देता है। अर्जेंटीना की जीत में मेसी का जितना योगदान है, लगभग उतना ही योगदान गोलकीपर इमिलियानो मार्टिनेज का है, उन्हें भी हमेशा याद किया जाएगा। फाइनल में भी अनेक मुश्किल मौकों पर गोल रोककर मार्टिनेज ने अर्जेंटीना की जीत को मुमकिन बनाया और मेसी के संघर्ष को आसान किया है। साल 2006 विश्व कप से ही मेसी अपने देश की टीम का हिस्सा हैं, उनकी मौजूदगी में साल 2014 में टीम विश्व कप के फइनल में पहुंचकर जर्मनी के हाथों एक गोल से पराजित हुई थी। साल 2018 में तो अर्जेंटीना का खेल बहुत ही खराब रहा था और यह मान लिया गया था कि मेसी अब अपने देश को विश्व कप नहीं दिला पाएंगे, लेकिन उन्होंने अपने करियर के आखिरी दौर में असंभव को संभव कर दिखाया है। फुटबॉल के युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखना चाहिए। इस विश्व कप को एक अन्य खिलाड़ी कियलियन एमबापे के लिए भी याद किया जाएगा, जिन्होंने फाइनल में अकेले तीन गोल करके अर्जेंटीना को तनाव में डाल दिया था। लगभग पौने तीन घंटे चले फाइनल मैच में अंतत पेनाल्टी शूटआउट से फैसला हुआ, जिसमें फ्रांस 4-2 से हार गया। अभी से तय हो गया है कि एमबापे उत्तरी अमेरिका के तीन देशों (अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको) में आयोजित होने वाले आगामी विश्व कप 2026 में सबकी निगाह में रहेंगे। ध्यान रहे, यह मध्य-पूर्व में आयोजित हुआ पहला फुटबॉल विश्व कप था। पहले किसी भी अरब देश में ऐसा आयोजन दिन में सपने देखने जैसा था। दुनिया के सबसे अमीर देशों में शुमार कतर ने इस आयोजन के लिए 300 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए हैं और उसे उतनी कमाई न सही, जो शोहरत हासिल हुई है, वह पूरे अरब के काम आएगी। 32 टीमें, 64 मैच, रिकॉर्ड 172 गोल वाले आयोजन की भव्यता ने सबको अचंभित कर दिया है। यह समय युद्ध और ऊर्जा संकट का है, शायद ऐसा रंगारंग कार्यक्रम कोई यूरोपीय देश नहीं कर पाता। दुनिया भर में लगभग डेढ़ अरब लोगों ने इस खेल आयोजन को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से देखा, तो भारत में भी लगभग चार करोड़ दर्शकों ने फाइनल मैच का आंखों-देखा हाल देखा-सुना। फिर साबित हुआ है कि फुटबॉल ऐसा खेल है, जो पूरी दुनिया को जोड़ देता है।

“ फुटबॉल के युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखना चाहिए। इस विश्व कप को एक अन्य खिलाड़ी कियलियन एमबापे के लिए भी याद किया जाएगा, जिन्होंने फाइनल में अकेले तीन गोल करके अर्जेंटीना को तनाव में डाल दिया था। लगभग पौने तीन घंटे चले फाइनल मैच में अंतत पेनाल्टी शूटआउट से फैसला हुआ, जिसमें फ्रांस 4-2 से हार गया। अभी से तय हो गया है कि एमबापे उत्तरी अमेरिका के तीन देशों (अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको) में आयोजित होने वाले आगामी विश्व कप 2026 में सबकी निगाह में रहेंगे। ध्यान रहे, यह मध्य-पूर्व में आयोजित हुआ पहला फुटबॉल विश्व कप था।

थोड़ा भय जरूरी है

मृत्यु का भय जीवन की रक्षा करता है। गलती होने का भय ही इंसान को सही राह पर रखता है। बीमारी फैलने का भय स्वच्छता का प्रोत्साहन करता है। दुख का भय ही नेकी के मार्ग पर रखता है।

भय प्रेम का ही दूसरा रूप है, इसलिए हर उस बात की व्याख्या जो प्रेम से की जा सकती है, वह भय से भी की जा सकती है। उदाहरण के लिए, एक शिशु अपनी मां से चिपकता है, तो यह प्रेम के कारण भी हो सकता है और भय के कारण भी। भय की इस पुरातन मूल-वृत्ति को ईश्वरीय प्रेम के ज्ञान द्वारा पूर्ण रूप से परिवर्तित किया जा सकता है।

भय दरअसल अतीत का एक चिह्न है, जो वर्तमान में भविष्य को दर्शाता है। जब व्यक्ति भय को स्वीकार नहीं करता, तो वह अहंकारी हो जाता है; और जो मनुष्य भय को समझकर उसे स्वीकार कर लेता है, वह भय के परे निकल जाता है, उससे मुक्त हो जाता है। याद रखो, तुम बिल्कुल निडर या तो पूर्ण व्यवस्थित स्थिति में होते हो या फिर पूर्ण अस्त-व्यस्तता की हालत में। इसीलिए न तो किसी संत को भय होता है और न ही किसी मूर्ख को, इनके अलावा हर अवस्था में भय होता है। संसार को व्यवस्थित रखने के लिए भय बहुत आवश्यक है। भय तो मौलिक प्रवृत्ति है। याद रखो, मृत्यु का भय जीवन की रक्षा करता है। गलती होने का भय ही इंसान को सही राह पर रखता है। बीमारी फैलने का भय स्वच्छता का प्रोत्साहन करता है। दुख का भय ही तुम्हें नेकी के मार्ग पर रखता है।

शिशु के मन में थोड़ा सा भय होता है, जो चलते समय उसे चौकन्ना और सावधान रखता है। थोड़ा सा भय बहुत आवश्यक है, ताकि इस संसार के सभी काम भली-भांति चलते रहें। इसलिए भय को मिटाने के प्रयास मत करो, केवल ध्यान करो और यह जानो कि या तो तुम कोई भी नहीं या फिर किसी विशिष्ट शक्ति के अपने हो। एक बात हमेशा याद रखो, जब भी कोई सीमा तोड़ी जाती है, तब भय पैदा होता है। इस तरह का भय द्वेष लाता है, हमें वापस सीमा के अंदर ले जाता है और तब स्वयं को सीमा में रखने के लिए हम सुरक्षा के उपाय करते हैं, परंतु अपनी स्थिति से बचाव की चेष्टा तनावपूर्ण होती है और अपने बचाव की प्रत्येक चेष्टा हमें अधिक कमजोर बनाती है।

अध्यात्म के पथ पर व्यक्ति आलोचना से बचने के लिए ज्ञान का भी प्रयोग करता है। खुद को बचाने के लिए ज्ञान का प्रयोग मत करो। ज्ञान तुम्हारे लिए छत्र की तरह है- एक आश्रय, कोई शस्त्र नहीं। हालांकि, कभी-कभी 'ज्ञान को शस्त्र की तरह प्रयोग मत करो' का सूत्र ज्ञान में न रहने का बहाना बन जाता है।

मैं तो कहता हूं कि तुम सुरक्षा के सभी प्रयास छोड़ दो। गलती कोई भी कर सकता है। तुम भी अपनी गलतियों की सफाई मत दो, बस उन्हें स्वीकार करो और आगे बढ़ो। जब तुम बिल्कुल सुरक्षा-विहीन होते हो, तभी एकदम सबल होते हो।

श्री श्री रविशंकर

“ द्रमुक परिवार में उदयनिधि स्टालिन का उदय इसी कड़ी का ताजा उदाहरण है। आखिर क्यों सियासी पार्टियां, यहां तक कि काडर आधारित दल भी परिवारवाद पर भरोसा करते हैं?

तीसरी पीढ़ी में पहुंचा द्रमुक वंशवाद

एस. श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय राजनीति में परिवारवाद पर काफी ज्यादा चर्चा होती रही है। यह बहस तब से तीखी हो गई है, जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष, खासतौर से नेहरू-गांधी परिवार और क्षेत्रीय क्षत्रपों को निशाना बनाने के लिए एक उपयोगी हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल करने लगे हैं। फिर भी, वंशवाद की प्रवृत्ति फल-फूल रही है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक परिवार में उदयनिधि स्टालिन का उदय इसी कड़ी का ताजा उदाहरण है। आखिर क्यों सियासी पार्टियां, यहां तक कि द्रमुक जैसे काडर आधारित दल भी, परिवारवाद की राजनीति पर भरोसा करते हैं? अगर परिवारवाद बुरा है, तो फिर लोग उसे बढ़ावा क्यों देते हैं? क्या यह स्वस्थ लोकतंत्र के विकास को प्रभावित करता है?

तमिलनाडु की राजनीति में परिवारवाद संबंधी आरोप तीन दशक पुराना है। एम करुणानिधि इस तरह के सवालों का सामना कर चुके हैं, जब एक अशोभनीय और सार्वजनिक तौर पर लड़ी गई पारिवारिक जंग के बाद एम के स्टालिन उनके उत्तराधिकारी बने, जबकि करुणानिधि द्रविड़ राजनीति की अगुवाई करने वाले नेता रहे हैं। बाद में, स्टालिन ने अपने बड़े भाई अलागिरी को पूरी तरह से पार्टी से बाहर कर दिया। उनकी सौतेली बहन कनिमोई को सांसद के रूप में दिल्ली भेजा गया। चूंकि परिवार का कोई अन्य निकट संबंधी स्टालिन के सामने नहीं रहा, इसलिए वह करुणानिधि की विरासत के उत्तराधिकारी बन गए।

उदयनिधि का उदय स्वाभाविक ही है। स्टालिन ने लगभग वही तरीका अपनाया, जो उनके पिता ने उनके मामले में अपनाया था। कदम-दर-कदम आगे बढ़ाते हुए स्टालिन को पहले द्रमुक युवा इकाई का प्रमुख बनाया गया, बाद में वह चेन्नई के मेयर के रूप में चुने गए, फिर कैबिनेट मंत्री, पार्टी कोषाध्यक्ष जैसे पदों को संभालते हुए उप-मुख्यमंत्री तक पहुंचे। अपने पिता की मौत के बाद वह द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री बने। इसी तरह, उदयनिधि ने द्रमुक की युवा इकाई को संभाला। उनसे 2021 के विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर प्रचार कराया गया और युवा-नेता के तौर पर उनको पेश किया गया। वह बतौर अभिनेता भी अच्छी पहचान रखते हैं, इसलिए उनके नाम को लोकप्रिय बनाने के लिए एक मंच के रूप में सिनेमा का भी इस्तेमाल किया गया। अब युवाओं को साथ जोड़ने की नीति के तहत उनको खेल मंत्री बनाया गया है। हालांकि, यह छोटा पोर्टफोलियो है, लेकिन इसके दो मकसद हैं। पहला, उन्हें अब सरकारी कार्यक्रमों में सांविधानिक रूप से बुलाया जाएगा और दूसरा, वह युवा मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं, जिनको लुभाने की कोशिश अब सभी पार्टियां, विशेषकर भाजपा कर रही है।

जब करुणानिधि बतौर मुख्यमंत्री या द्रमुक अध्यक्ष सक्रिय थे, तब स्टालिन उनके साथ साये की तरह मौजूद रहते थे। स्टालिन को करुणानिधि के पीछे, उनके व्हीलचेयर को पकड़े हुए या विभिन्न गतिविधियों में उनकी मदद करते हुए देखना आम था। उन्होंने अपने पिता के बोझ को बांटा और पार्टी व सरकार, दोनों में उनकी सहायता की। अब उदयनिधि को भी उसी तरह आगे बढ़ाया जा रहा है।

उनकी इस पदोन्नति की विपक्ष ने खूब आलोचना की है। अन्नाद्रमुक, उसके विभिन्न गुटों और भाजपा ने परिवारवाद को बढ़ावा देने के लिए स्टालिन की जमकर निंदा की और इसे लोकतंत्र का पतन बताया है। सामान्य आरोप यही है कि इस तरह की राजनीति न सिर्फ भाई-भतीजावाद बढ़ाती है, बल्कि अंतर्निहित भ्रष्टाचार का भी संकेत करती है, क्योंकि इसमें एक पीढ़ी अपनी अगले वंश को राजनीति में आगे बढ़ाती है, जिसके कारण पिछले शासन और शासक का गलत आचरण छिपा रह जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी इस प्रवृत्ति के तीखे आलोचक रहे हैं। उन्होंने आम चुनाव और फिर विधानसभा चुनावों में इस मुद्दे को खूब उठाया है। नेहरू-गांधी परिवार के अलावा जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला व मुफ्ती, बिहार व उत्तर प्रदेश में यादव, और तेलंगाना में राव परिवार को वह कई बार निशाने पर ले चुके हैं।

कुछ मामलों में परिवारवाद की यह राजनीति तीसरी-चौथी पीढ़ी तक पहुंच गई है। राहुल-वरुण गांधी (यदि हम जवाहरलाल नेहरू को मानक बनाएं, तो) जहां चौथी पीढ़ी के नेता हैं, वहीं कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार और महाराष्ट्र में ठाकरे परिवार की तीसरी पीढ़ी के नेता राजनीति में उतर चुके हैं। तीसरी पीढ़ी वाले और भी परिवार हैं। दूसरी पीढ़ी के नेता तो देश भर में हैं, जैसे मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद महबूबा मुफ्ती, मुलायम सिंह यादव के बाद अखिलेश यादव और लालू प्रसाद यादव की विरासत को तेजस्वी यादव आगे बढ़ा रहे हैं। कई जगह राजनीति अब बहू-दामाद तक फैल गई है।

परिवारवाद की राजनीति ने भारत में पार्टियों के ब्रांड तैयार करने के साथ-साथ उनके नेताओं को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, क्योंकि ऐसे नेता आसानी से अपनी पहली पीढ़ी के नेताओं के साये में अपनी जगह बना लेते हैं। वंशवादी राजनीति में नेताओं को पहचान बनाने के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता, पार्टी कार्यकर्ताओं, यहां तक कि मतदाताओं से उनका मेल-जोल पहले से ही बना रहता है। जब यह राजनीति जाति और अन्य क्षेत्रीय पहचान से जुड़ जाती है, तो काफी मजबूत बन जाती है। हालांकि, ऐसी राजनीति के खिलाफ मजबूत व उचित तर्क भी हैं, पर चुनावों में ऐसे तर्क शायद ही परवान चढ़ पाते हैं। तमिलनाडु में ही द्रमुक ने 2006 के विधानसभा चुनाव और 2009 के आम चुनाव जयललिता और वाइको के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक द्वारा परिवारवाद पर जबर्दस्त प्रहार के बावजूद जीता। द्रमुक साल 2011 का चुनाव जरूर हार गया, लेकिन उस जीत का श्रेय जयललिता द्वारा बनाया गया मजबूत गठबंधन को जाता है।

देखा जाए, तो भाजपा भी इस तरह की राजनीति का पोषण करती है। उसके अनेक नेताओं की दूसरी पीढ़ी के सदस्य भी सक्रिय हो चुके हैं। हालांकि, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक जैसे नेता भी हमारे देश में हैं, जो परिवारवाद की उपज होने के बावजूद सुर्खियों में नहीं रहते, जबकि यहां विवादों में रहने वाले अभिषेक बनर्जी भी हैं, जो ममता बनर्जी के भतीजे हैं। साफ है, परिवारवाद की आलोचना अब मतदाताओं को कतई प्रभावित नहीं करती, और इसीलिए यह हमारे देश में लगातार फल-फूल रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सीमित दायरे में अभिव्यक्ति को बचाए रखने का विचार

मनु जोसेफ

यह स्वीकार करने का समय आ गया है कि भारतीयों ने अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता खो दी है और हो सकता है, कई दशक तक यह फिर हासिल न हो पाएगी। आज एक छोटा समूह या यहां तक कि एक व्यक्ति जो आहत है, या वस्तुत आहत नहीं भी है, पर तफरी लेना चाहता है, तो अदालत जा सकता है। वह बड़े से बड़े प्रकाशकों, लेखकों, पत्रकारों, निर्माताओं, अभिनेताओं की गिरफ्तारी की मांग कर सकता है।

क्या भारत आज नाराज लोगों की जन्नत बन गया है? एक आहत व्यक्ति की शिकायत के कारण प्रकाशकों को किताबों की दुकानों से हजारों प्रतियां वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। फिल्म निर्माता और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के अधिकारी भी परेशानी के डर से खुद को सेंसर करने लगे हैं। किसको किस बात पर आपत्ति हो जाए, कोई नहीं जानता। लाखों लोगों को समृद्ध करने वाली मनोरंजन कला और बौद्धिक कार्यों को एक आदमी भी बंधक बना सकता है। मेरे पास समस्या का समाधान है।

गौर कीजिए, एक ऐसी जगह है घर, जहां हमें अपनी बात कहने की पूरी आजादी है। जब तक हम सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आते, तब तक हम काफी हद तक स्वतंत्र हैं। हमें जो करने की जरूरत है, वह है घर से परे निजी जगह या उसके विचार का विस्तार। हमें भारत में लोगों को एक किताब, एक फिल्म, एक सभागार, एक ऑनलाइन चैनल या एक सोशल मंच को निजी जगह मानने के लिए तैयार करना होगा। जो लोग अपने निजी दायरे में बात रखना चाहते हैं, वे दर्शकों या पाठकों को अपने दायरे में बुला लें, ताकि सरकार या राज्य के चिंतित होने की नौबत न आए। मुझे क्यों लगता है कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी को सार्वजनिक सामग्री के खांचे से हटाकर और निजी मानकर ही सुरक्षित रखा जा सकता है।

ऐसे में, अदालत जाना फिजूल है। भारतीय कानून ने हमेशा किसी बोलने वाले के अधिकार से ज्यादा तवज्जो आहत होने वाले के अधिकार को दी है। यहां तक कि आंबेडकर और गांधी ने भी कहा था कि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूर्ण नहीं मानते हैं। बेशक, इन दिग्गजों का असर हमारे उन कानूनों पर है, जो हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नियंत्रित करते हैं। हर कोई अपने मन की बात कहना चाहता है और कलात्मक प्रस्तुति करना चाहता है, लेकिन ताकतवर लोग या नाराज लोग भला इसकी अनुमति क्यों दें? यह सोचना भोलापन या गलतफहमी भी है कि ताकतवर लोग नैतिकता या आधुनिकता की भावना से खुले इजहार को मंजूर करेंगे।

भारत में निकट भविष्य में ऐसे नेता होने की संभावना नहीं है, जिसकी प्राथमिकता भारतीयों को पतली चमड़ी (या आसानी से बुरा मानने वालों) के अत्याचार से मुक्ति दिलाना होगा। आज हमें एक ऐसा व्यावहारिक आंदोलन शुरू करने की जरूरत है, जो संपूर्ण स्वतंत्र अभिव्यक्ति की मांग नहीं करता हो, पर जो विशिष्ट व निजी दायरे में अभिव्यक्ति की आजादी सुनिश्चित कर सके। यहां निजी स्थान या ऐसे दायरे होंगे, जहां एक कार्य या वस्तु, जो निजी होने की इच्छा रखती हो, वह पहले ही ऐसी घोषणा कर देगी। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो चाहता है कि उसका व्याख्यान निजी माना जाए, वह अधिकतम एक हजार लोगों से कुछ भी कह सकता है। भाषण की शुरुआत में एक घोषणा होगी कि यह निजी है और जो लोग आहत हो सकते हैं, वे जा सकते हैं। ऐसी पुस्तकें, जो स्वयं को निजी जगह कहती हैं, पुस्तकालयों में नहीं होंगी। निजी माने जाने की इच्छा रखने वाली फिल्में यह घोषणा करेंगी कि वे उन लोगों के लिए अनुपयुक्त हो सकती हैं, जिनके नारंगी या हरे रंग के स्विमसूट से आहत होने की आशंका है।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि पहले से ही एक कारगर निजी स्थान का उदाहरण है, किताबें, जहां आप ऐसी बातें कह सकते हैं, जो एक फिल्म में नहीं कह सकते। सरकार का तर्क यह है कि किताबें बहुत कम लोगों तक पहुंचती हैं, इसलिए वे भारत के स्वतंत्र स्थान के मिथक को बढ़ावा देने के साथ-साथ डराने वाली भी नहीं हैं। निजी स्थान के इस विचार का कुल निचोड़ यही है कि एक दायरे में लोग संस्कृति विभाग को किसी जोखिम में डाले बिना कला का पूरा आनंद ले सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिहार में शराबबंदी : पार पाने का हौसला दिखाना होगा

डा. भीम सिंह भावेश

बिहार में शराबबंदी अपने अबतक के सबसे वीभत्स रूप में है। राज्य के सारण जिला में जहरीली शराब पीने से करीब 50 लोगों की मौत की खबर के दूसे दिन दूसरे जिले में भी लोगों के मरने की खबर से राज्य की राजनीति का पारा गर्मा गया है।

इस घटना ने सूबे में शराबबंदी को लेकर एक साथ कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लोक सभा में इस मुद्दे पर तीखी बहसें हुई। बिहार विधानसभा में आरोपों के बौछार पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का तमतमाया चेहरा और गुस्से में लरजती उनकी आवाज से राज्य में शराबबंदी की दशा और दिशा का बखूबी पता चलता है।

शराबबंदी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक महत्त्वकांक्षी योजना है। 'आइए, हम सब मिलकर नशा मुक्त बिहार बनाएं' स्लोगन को वे बड़े गर्व के साथ प्रस्तुत करते हैं। वर्ष 2011-12 से 2005-16 तक राज्य में पंचायत स्तर तक कम्पोजिट शराब दुकानें और वार्ड तक परचुनिया दुकानों की बाढ़ आ गई थी। राशन दुकानों की भांति देसी, विदेशी एवं मसालेदार शराब की दुकानें आवंटित थीं। तब पियक्कड़ों के कारण विशेषकर महिलाओं का घर से निकलना दूभर हो गया था। नतीजतन नीतीश ने 1 अप्रैल, 2016 से शराबबंदी का दृढ़ निर्णय लिया, जबकि इस निर्णय से राज्य को 4 हजार करोड़ रुपये का भारी राजस्व की क्षति का अनुमान था।

विपक्ष का आरोप भी सही प्रतीत होता है कि बीते सात साल में बिहार को एक लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। लिहाजा पैसे कहां से आएंगे, यह सवाल तो राज्य के मुखिया से पूछा जाना चाहिए। जिस पैसे से बिहार का भला होता उसका भी नुकसान हो रहा है। हालांकि नीतीश तमाम दबाव के बावजूद अपने फैसले से रत्ती भी पीछे नहीं हटने को तैयार हैं। उनका तर्क है कि शराब पीना बुरी आदत है और जो इसका सेवन करेगा, वह अपनी जान गंवाएगा। अपने इस फैसले को और ज्यादा सख्त बनाने के लिए उन्होंने शराब पीकर मरने वालों को सरकारी सहायता राशि भी देने से मना कर रखा है।

बहरहाल, शराबबंदी की निंदा करने के तमाम तर्क विपक्षी दलों, विशेषज्ञों और शराब से जुड़े व्यवसाय करने वाले दें, किंतु इस तथ्य से भी कोई इनकार नहीं कर सकता कि शराबबंदी से राज्य में खुशहाली का ग्राफ भी ऊपर चढ़ा है। मद्यनिषेध विभाग के सत्रे में बताया गया है कि राज्य की 100 फीसद महिलाएं शराबबंदी के निर्णय से बेहद खुश हैं। वो रात में बेखौफ होकर घूम सकती हैं, जो पहले कल्पना से परे बात थी। निश्चित तौर पर इस 'बोल्ड' फैसले का नीतीश को सियासी फायदा भी पहुंचा। उन्हें महिलाओं के एकमुश्त वोट भी मिले, मगर जहरीली शराब से हो रही मौतों ने नीतीश और गठबंधन सरकार को बैकफुट पर ला दिया है। हाल ही में संपन्न कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी को मिली हार की एक वजह गरीब-गुरबों और पिछड़ी जातियों के लोगों का शराबबंदी कानून के तहत जेल जाने को बताया जा रहा है।

स्वाभाविक है नीतीश चौतरफा घिर चुके हैं। उन्हें इस बात पर गहन मंथन करना होगा कि यह कानून सफल क्यों नहीं हो पा रहा है, आखिर इसके औंधे मुंह गिर जाने की वजह क्या है आदि। जब तक इन सब बातों का सही तरीके से आकलन नहीं होगा, लोग मरते रहेंगे। हां, कुछ नियमों में बदलाव किए जाएं तो परिणाम सुखद होने की गुंजाइश जरूर परवान चढ़ सकती है। मसलन, एक मजबूत 'एंटी लिकर सेल' का गठन बिना वक्त गंवाये सरकार को करना चाहिए। आबकारी का मसला बिल्कुल अलहदा है, सो सरकार को इसे पूर्ण रूप से आबकारी महकमे को सौंप देना चाहिए और पुलिस को इससे बिल्कुल अलग कर देना चाहिए। राज्य की सीमा वाले इलाके में पेट्रोलिंग के साथ-साथ जागरूकता के कार्यक्रम भी चलाने होंगे। अगर शराबबंदी को शत-प्रतिशत सफल बनाना है तो बिहार की सरकार को गुजरात से भी सीखने की जरूरत है। वहां अगर किसी मरीज को डॉक्टर ने शराब पीने की सलाह दी जाती है तो वह शराबंदी कानून के दायरे में नहीं आता है। उसी तरह कोई बाहर से लाकर अपने घर में शराब का सेवन करे तो वह गैरकानूनी नहीं माना जाता है, जबकि बिहार में नियम बिल्कुल इसके उलट है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि राज्य सरकार इस मसले पर आंखें मूंदे बैठी है। शराबबंदी की सफलता को लेकर सरकार जल, थल और नभ तीनों जगह शिंकजा कसने की रणनीति पर काम करती रही है।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

रात गुजारी, सोकर
दिन उड़ाया, खा-
पीकर ध्यान ना
रहा, विवेक का
अमूल्य जीवन, कर
दिया मिट्टी का।।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

शहीद वीर नारायण सिंह की गौरव गाथा की होगी ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति

सोनाखान में ओपन एयर म्यूजियम तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । शहीद वीर नारायण सिंह की जन्म एवं कर्म स्थली को उनके गौरव के अनुरूप विकसित करने के लिए जिला प्रशासन बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा सोनाखान में भव्य ओपन एयर म्यूजियम का निर्माण किया गया है, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल करेंगे। इसके अलावा वे बलौदाबाजार-भाटापारा टूरिज्म सर्किट का भी शुभारंभ करेंगे। सोनाखान में अपनी तरह का यह पहला म्यूजियम होगा, जहां ऑडियो- विजुअल सेटअप और एक विशेष धातु कॉर्टेन स्टील के माध्यम से शहीद वीर नारायण सिंह की जीवनी को प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके लिए एक विशेष तरह के कॉर्टेन स्टील का प्रयोग किया गया है। कॉर्टेन स्टील के बनें लम्बे और सुंदर पैनल्स पर शहीद वीर नारायण सिंह की जीवनी उकेरी गई है। जिसकी भव्यता दिन के साथ ही रात में भी देखी जा सकती है। लाइट के अद्भुत सेटअप इसे खास और अलग बनाते हैं। सभी पैनल एक ऑडियो सेटअप लगा हुआ है, जिसके माध्यम से शहीद वीर नारायण सिंह की जन्म से लेकर क्रांति और बलिदान को सुना जा सकता है। यह ऑडियो हिंदी, अंग्रेज़ी और छत्तीसगढ़ी भाषा में उपलब्ध है। यहां आने वाले लोग अपनी पसंद मुताबिक ऑडियो की भाषा तय कर सकते हैं। देश में कॉर्टेन स्टील का उपयोग विभिन्न महान परियोजनाओं में कलाकृतियां बनाने के लिए किया जा चुका है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, बिहार म्यूज़ियम और कई देशों के प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट में इसका उपयोग किया गया है। यहां पार्किंग और केंटिन की भी व्यवस्था रहेगी। केंटिन की व्यवस्था स्व-सहायता समूह के द्वारा संचालित की जाएगी। इसके साथ ही यहां आने वाले लोगों को म्यूजियम में प्रवेश सशुल्क रहेगा। इस नवाचार से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को भी रोजगार उपलब्ध होगा।

धान खरीदी महाभियानः किसानों से अब तक 58 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से धान खरीदी महाभियान के तहत समर्थन मूल्य पर अब तक 58 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी हो चुकी है। गौरतलब है कि राज्य सरकार इस वर्ष 110 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा है। एक नवम्बर से अब तक धान खरीदी लक्ष्य के विरूद्ध में 50 प्रतिशत से भी अधिक धान की खरीदी हो चुकी है।

धान खरीदी के एवज में राज्य के 14.66 लाख किसानों को 11,640 करोड़ रूपए का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया गया है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक 45 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके एवज में मिलर्स द्वारा 35 लाख 77 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है। खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि इस साल राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.26 लाख नये किसान शामिल हैं। राज्य में धान खरीदी के लिए 2600 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। राज्य में धान खरीदी की व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सीमावर्ती राज्यों से धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए चेक पोस्ट पर माल वाहकों की चेकिंग की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि आज 19 दिसम्बर को लगभग 57 हजार से अधिक किसानों से 2 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की गई है, इसके अलावा ऑनलाइन प्राप्त टोकन के जरिए किसानों से 55 हजार टन से अधिक धान की भी खरीदी हुई हैं। आगामी दिवस की धान खरीदी के लिए 77,124 टोकन तथा टोकन तुंहर हाथ एप के जरिये 18,269 टोकन ऑनलाइन जारी किए गए हैं।

खास खबर

ताम्रकार फिल्म प्रॉडक्शन के कार्यालय का उद्घाटन अभिनव गायकवाड ने किया

रायपुर। निर्माता शिवनारायण ताम्रकार कृत ताम्रकार फिल्म प्रॉडक्शन ब्राह्मण पारा रायपुर छत्तीसगढ़ के कार्यालय का शुभारंभ 18 दिसंबर 2022 को सह निर्माता अभिनव गायकवाड एवं लेखक निर्देशक राजू टेमरे के करकमलों से संपन्न हुआ। सर्वप्रथम मां सरस्वती के तैल चित्र पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। श्री गायकवाड ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमर मन के नवा फिल्म प्रॉडक्शन हाउस आज से शुरुआत हो गे हे । हम सब मिलके ताम्रकार फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाला बड़े पर्दे की जम्मो छत्तीसगढ़ी फिल्म ल बेहतर व मनोरंजक बनाना हम सबके जिम्मेदारी हे। कार्यक्रम में गायक शंकर झारिया, गीतकार केशव साहू, नागेश खोब्रागडे, उदय मारकंडे, संतोष यादव , पुनेश साहू, इलम वर्मा, ऋषि मार्कंडेय जी,जयराम धीवर तथा अन्य कलाकार उपस्थित थे।

जन चौपाल में मिले 30 से अधिक आवेदन

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने आज आयोजित जन चौपाल में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्या और शिकायतों से संबंधित 30 से अधिक आवेदनों को सुना। कलेक्टर ने जनचौपाल में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा के भीतर निराकरण करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी शासकीय योजनाओं का उचित क्रियान्वयन कर योजनाओं का लाभ आम लोगों को समय पर दिलाना सुनिश्चित करें। आज जनचौपाल में ग्राम कोटनी के हेमकुमार ने खसरे की नकल प्रदान करने, ग्राम पंचायत आमनेर के निवासियों ने गांव में गौरा-गौरी शेड, बाजार शेड, सी.सी समतलीकरण आदि निर्माण कराने के लिए आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर डॉ भुरे ने संबंधित विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक में किया गया प्रस्तावों का अनुमोदन

छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या बढ़ाने मध्यप्रदेश से लाए जाएंगे बाघ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश से बाघ लाए जाएंगे। जिन्हें अचानकमार टायगर रिजर्व में छोड़ा जाएगा। इसके साथ ही साथ बारनवापारा अभ्यारण्य में भी बाघों के लिए अनुकूल परिस्थितियों के चलते टायगर छोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में यहां उनके निवास कार्यालय में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक में प्रस्तुत किए गए इन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही साथ वन्य प्राणियों की सुरक्षा और संरक्षण, वन्य प्राणी मानव द्वंद रोकने के अनेक प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने वन्य प्राणियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए वनों की 10 किलोमीटर की परिधि के गांवों में आजीविका मूलक गतिविधियों को बढ़ावा देने, वन्य प्राणियों की सुरक्षा की दृष्टि से वन क्षेत्रों में संचार नेटवर्क को मजबूत बनाने, हाथी मानव द्वंद रोकने जागरूकता अभियान को गति देने और वन्य प्राणियों के लिए पानी और चारागाह विकसित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में इनसे संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या चार गुना करने के लिए ग्लोबल टायगर फोरम (जीटीएफ) द्वारा प्रस्ताव दिया गया था, जिसके क्रियान्वयन की अनुमति बैठक में दी गई। जिसके तहत अचानकमार टायगर रिजर्व में बाघ मध्यप्रदेश से लाकर छोड़े जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि अचानकमार टायगर रिजर्व में वन्यप्राणियों के लिए जल स्त्रोतों, चारागाह को विकसित किया गया है, जिससे शाकाहारी वन्यप्राणियों की संख्या में वृद्धि हो सके। छत्तीसगढ़ राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक में बलौदाबाजार जिले के बारनवापारा अभ्यारण्य में फिर से टायगरों को पुनर्स्थापित करने के लिए टायगर छोड़ने के प्रस्ताव को भी सैद्धांतिक सहमति दी गई। अधिकारियों ने बताया कि बारनवापारा अभ्यारण्य में वर्ष 2010 तक टायगर पाए जाते थे। टायगर रि-इंट्रोडक्शन एवं टायगर रिकव्हरी प्लान के तहत ख्याति प्राप्त वन्यप्राणी संस्थान से हैबिटेट सुटेबिलिटी रिपोर्ट तैयार कराई जाएगी, जिसकी स्वीकृति राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली से प्राप्त होने के बाद इस अभ्यारण्य में बाघ पुनर्स्थापना का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

अधिकारियों ने बैठक में बताया कि शाकाहारी वन्य प्राणियों को विभिन्न प्रजनन केन्द्रों एवं अन्य स्थानों से लाकर प्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों के प्राकृतिक रहवास में छोड़ा गया है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में 49 चीतल, बारनवापारा अभ्यारण्य में 39 काला हिरण, गुरूघासीदास राष्ट्रीय उद्यान में 113 चीतल, अचानकमार टायगर रिजर्व में 20 चीतल, तमोर पिंगला अभ्यारण्य में 14 चीतल विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों के नैसर्गिक रहवास में शाकाहारी वन्यप्राणियों को छोड़ा गया है। बैठक में यह जानकारी भी दी गई कि छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों में हाथियों के लिए चारागाह, पानी आदि की व्यवस्था करने से हाथी मानव द्वंद की घटनाओं में काफी कमी हुई है। लगभग 11 हजार 314 हेक्टेयर चारागाह विकसित किए गए हैं। लगभग 80 हजार हेक्टेयर में खाद्य घास की प्रजातियां लगाई गई हैं। वन्यप्राणियों के पेयजल के लिए 12 स्टॉप डेम, 40 तालाब, 65 अर्दनडेम, 98 तालाबों का गहरीकरण किया गया है, इसी तरह 52 नालों में भू-जल संवर्धन और भू-जल संरक्षण के लिए संरचनाएं निर्मित की गई हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक में भारत माला परियोजना अंतर्गत प्रस्तावित रायपुर-विशाखापटनम इकोनॉमिक कॉरिडोर निर्माण के लिए उदन्ती-सीतानदी टायगर रिजर्व में केशकाल एवं कांकेर वनमंडल के लगभग 64 वन क्षेत्र तथा भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून द्वारा चिन्हांकित इन्द्रावती-उदन्ती-सीतानदी-सुनाबेड़ा टायगर कॉरिडोर के 7 वन कक्षों से गुजरने वाले लगभग 3.5 किलोमीटर राजमार्ग में प्रस्तावित इकानॉमिक कॉरिडोर निर्माण के लिए अनुमति दी गई।

इस प्रस्ताव को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड को भेजा जाएगा। इस तरह भोपालपटनम से जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में चिंतावागु नदी पर नवीन पुल निर्माण की अनुमति दी गई। यह प्रस्ताव भी राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड को अनुमति के लिए भेजा जाएगा। इस नवीन पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण इन्द्रावती टायगर रिजर्व के बफर जोन के 1.177 हेक्टेयर रकबे के अंतर्गत आता है।

जैविक खेती अपना कर हुआ कम लागत में ज्यादा उत्पादन

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुरूद की नंदनी साहू जय मॉ दुर्गा समूह से जुड़ी है। वे बताती है कि समूह में जुड़ने के बाद हमारे हमारे जीवन मे पारिवारिक आर्थिक एवं सामाजिक बदलाव हुआ। पहले हम किसी भी प्रकार की समूह के बारे में नहीं जानते थे। लेकिन बिहान संस्था के माध्यम से हमें समूह में जुडने,बचत करने,अपने जरुरतों को पूरा करने के लिए ऋण लेना,सामूहिक मदद की भावना आदि का अवसर प्राप्त हुआ। समूह में जुडने के बाद अपनी छोटी छोटी जरुरतों के लिए समूह से ऋण लेना प्रारंभ किया। जिससे घर की आवश्यकताओं की पूर्ति सरलता से होने लगी। मैं समूह के माध्यम से जैविक कृषि कार्य को अपना कर कृषि कार्य कर रही हूॅ। जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन हो रहा है। कम खाद,कम बीज,और कम पानी से रसायनिक खेती में जो लागत आ रहा था। उसमें कमी आई और जैवक कृषि के माध्यम से आय में वृध्दि हुई। उन्होंने बताया है कि मैं पहले 75 डिसमील में धान की खेती परंम्परागत विधि से कर रही थी जिसमें लागत 16 हजार रूपये खर्च करना पडता था एवं 11 हजार 500 रूपये आमदानी होती थी, पहले रासायनिक विधि खेती करने से धान की उत्पादन बहुत कम होती थी जिससे मुनाफा ज्यादा नहीं हो पाती थी अच्छी पैदावार नहीं होने के कारण आर्थिक स्थिति कमजोर थी।

वर्तमान में कर रहे जैविक खेती का विवरण-: सामुदायिक संवहनीय आधारित कृषि एवं महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के द्वारा पता चला कि जैविक विधि से खेती करने से क्या लाभ है, तब से समूह में जुड़ने के बाद जैविक खेती एस.आर.आई पद्धति से खेती करना प्रारंभ किया तब से लागत बहुत कम हो रहा है। वर्तमान में लागत खर्चा 75 डिसमील कुल 7 हजार 500 रुपये है। एवं उत्पादन 18 क्विंटल प्राप्त हो रही हैं।

बैठक में हाथ से हाथ जोड़ों अभियान की रणनीति बनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, एआईसीसी सचिव एवं प्रभारी सचिव डॉ. चंदन यादव की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस सरकार के 4 साल पर बधाई शुभकामनायें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सफल 4 साल पूरे होने की उपलब्धि भरे 4 साल, 5वें साल हम चुनाव में जायेंगे तो हमारे पास अपने कामों की लंबी फेहरिस्त लेकर जायेंगे। एआईसीसी की संचालन समिति ने निर्णय लिया कि 26 जनवरी 2023 से पूरे प्रदेश में 2 महीने हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलेगा। यह भारत जोड़ो का विस्तार होगा। पदयात्रा का आयोजन बीसीसी करेगी।

अभियान यह जनसंवाद कार्यक्रम सफल भारत जोड़ो यात्रा का विस्तार होगा। यह अभियान 26 जनवरी 2023 से शुरू होकर दो महीने तक चलेगा। पदयात्रा का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा किया जाएगा। पदयात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रत्येक ब्लॉक में एक या दो वरिष्ठ नेताओं को नियुक्त किया जाए और नामों को पीसीसी एवं एआईसीसी को सूचित किया जाए। यह विशाल अभियान पदयात्रा के रूप में देश की सभी ग्राम पंचायतों, गांवो और मतदान केंद्रों को कवर करेगा।

गांव और ब्लॉक स्तर- अभियान की शुरूआत ब्लॉक स्तर पर उद्घाटन बैठक से होगी। दो महीने के लिए पदयात्रा, हर गांव और मतदान केंद्र को कवर करना। प्रत्येक ब्लॉक में एक माह। गांव-गांव में कांग्रेस का झंडा फहराकर गांव-गांव यात्रा शुरू करें। हर गांव में एक बैठक। डोर टू डोर जनसंपर्क करें। यात्रा के मूल संदेश के साथ राहुल गांधी का पत्र सौंपे। मोदी सरकार के खिलाफ चार्जशीट बांटे। हर दरवाजे पर भारत जोड़ो यात्रा का स्टीकर चिपकाएं। हर गांव में भारत जोड़ो यात्रा के भावनात्मक वीडियो का प्रदर्शन किया जाना है। हर गांव का व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं। यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई पूरे ब्लॉक में बाइक रैली का आयोजन करेगी।

जिला स्तरीय कार्यक्रम- कार्यकर्ता मेला-हर जिला मुख्यालय पर कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और प्रभावकों का एक सम्मेलन। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक दल के नेता और राज्य के वरिष्ठ नेतागण भाग लेंगे और संबोधित करेंगे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम- कार्यकर्ता महासंगम-अभियान कांग्रेस की महारैली का आयोजन। महारैली को कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और राष्ट्रीय स्तर के नेतागण संबोधित करेंगे। भारत जोड़ो मेला-राज्य स्तर पर युवा केंद्रित कार्यक्रम। विशाल एलईडी स्क्रीन पर यात्रा के दृश्य दिखाएं जाएंगे। प्रसिद्ध गायकों, कलाकारों, सोशल मीडिया प्रभावकों के साथ संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम। प्रियंका गांधी के नेतृत्व में हर राज्य की राजधानी में महिला मार्च। प्रियंका गांधी द्वारा समापन रैली में महिला घोषणा पत्र का विमोचन।

खास खबर...

दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत तीन दिव्यांग दंपत्तियों को मिला प्रोत्साहन राशि का चेक

रायपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत आज तीन दिव्यांग दंपतियों को कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दो दिव्यांगजन दंपत्तियों को पृथक-पृथक 50 हजार रूपये एवं एक दिव्यांगजन दंपत्ति को एक लाख रूपये सहित कुल दो लाख रूपये का चेक प्रदान किया गया। जिन हितग्राहियों को चेक प्रदान किया गया है उसमें देवेन्द्र कुमार साहू एवं कविता साहू, लिकेश्वर जांगड़े एवं अंजु जांगड़े और ईश्वर सोनवानी एवं राधिका पात्रे शामिल है।

प्रशासन गांव की ओर अभियान 19 से 25 दिसंबर तक

रायपुर। भारत के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के अनुरूप नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देने और सेवा वितरण में सुधार लाने में भारत सरकार के द्वारा 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक 'सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर' मनाया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सभी संभागायुक्त एवं कलेक्टरों को पत्र लिखकर जन शिकायतों के समाधान और बेहतर सेवा वितरण के लिए विशेष शिविर और कार्यक्रम आयोजित करने की निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर मनाए मुख्य सचिव द्वारा लिखे गए पत्र में शिकायतों के समाधान और विशेष कार्यक्रमों के साथ-साथ 23 दिसम्बर को सुशासन के संबंध में कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने सभी संभागायुक्तों और कलेक्टरों को सुशासन सप्ताह के अंतर्गत की जाने वाली कार्यवाही भारत सरकार के पोर्टल के साथ-साथ सोशल मीडिया ट्विटर फेसबुक आदि सहित मल्टीमीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से जन शिकायत निवारण एवं सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के लिए राज्य एवं जिला प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों के अलावा प्रगति और उपलब्धियों को अपलोड करने के भी निर्देश दिए हैं।

गोधन न्याय योजना ग्रामीणों के छोटे-छोटे सपने पूरे करने में बन रही मददगारः भूपेश बघेल

दो वर्षों में हितग्राहियों को किया गया लगभग 380 करोड़ रुपए का भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि गोधन न्याय योजना पशुपालकों, ग्रामीणों, किसानों और मजदूरों की अतिरिक्त आय का जरिया बन गई है। गोधन न्याय योजना के प्रारंभ होने के बाद से अब तक दो वर्षो में योजना के हितग्राहियों, गौठान समितियों और महिला स्व सहायता समूहों को लगभग 380 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। यह राशि इन लोगों के लिए काफी बड़ी राशि है। ग्रामीण गोबर बेचने से मिलने वाली राशि से अपने छोटे-छोटे सपने पूरे कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में राशि के अंतरण के लिए आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे स्वावलंबी गौठानों की समितियां अपनी स्वयं की राशि से गोबर खरीदी कर रही हैं। पिछले तीन पखवाड़ों से गोबर खरीदी के लिए दी जाने वाली राशि में से गौठान समितियों द्वारा राज्य शासन की तुलना में अधिक राशि दी जा रही है, 1 से 15 दिसम्बर तक पखवाड़े में गोबर खरीदी के लिए प्रदेश के स्वावलंबी गौठानों ने कृषि विभाग की तुलना में अधिक राशि का भुगतान किया है। गोबर विक्रेताओं को भुगतान की गई 4.41 करोड़ रुपए की राशि में से 2.75 करोड़ रुपए का भुगतान 4372 स्वावलंबी गौठानों ने अपने संसाधनों से और 1.66 करोड़ रुपए का भुगतान कृषि विभाग द्वारा किया गया है। यह एक बड़ा बदलाव है। उन्होंने स्वावलंबी गौठानों की संख्या बढ़ाने और इन गौठानों को प्रोत्साहित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो गौठान समितियां गौठानों में शेड निर्माण की अनुमति मांग रही हैं, उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए। स्वावलंबी गौठनों द्वारा अब तक 32.36 करोड़ रुपए के गोबर की खरीदी की गई है।

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे गौठान गांवों में आजीविका मूलक गतिविधियों के केन्द्र बन गए हैं। गौठानों को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। आने वाले समय में इनकी गतिविधियां और भी बढ़ेगी। हमारे गौठान आने वाले समय में गांवों के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि गोबर विक्रेताओं को अब तक गोबर खरीदी के एवज में 192.86 करोड़ रुपए और गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को 169.41 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। गोधन न्याय योजना में अब तक 96.43 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी की गई है। योजना से 3 लाख 9 हजार 806 से ज्यादा पशुपालक लाभान्वित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 11 हजार 288 गौठानों को स्वीकृति दी गई है, इनमें से 9,631 गौठान निर्मित हैं। इनमें 8,452 ग्रामीण, 234 शहरी और 1,201 आवर्ती चराई के निर्मित गौठान हैं। गौठानों में 20.27 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन किया गया जिसमें से 16.41लाख क्विंटल का विक्रय हो चुका है। गौठानों में 11 हजार 187 स्वसहायता समूहों में 83 हजार 509 महिलाएं सदस्य हैं, जिन्होंने अब तक 86.96 करोड़ की आय अर्जित की है। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, पशुपालन विभाग की संचालक चंदन संजय त्रिपाठी, उपसचिव कृषि सुश्री तुलिका प्रजापति उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों के खातों में 5 करोड़ 99 लाख रूपए का किया ऑनलाईन अंतरण

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में हितग्राहियों के खातों में 5 करोड़ 99 लाख रुपए का ऑनलाईन अंतरण किया। इस राशि में 1 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक के पखवाड़े में गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से क्रय किए गए 2.2 लाख क्विंटल गोबर के एवज में उनके खाते में 4 करोड़ 41 लाख रुपए, गौठान समितियों को 94 लाख रुपए, महिला समूहों के खाते में लाभांश की राशि के रूप में 64 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, विधायक संगीता सिन्हा और डॉ. लक्ष्मी ध्रुव भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि भेंट-मुलाकात के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि गोबर बेचने से मिली राशि का उपयोग वे बच्चों की पढ़ाई, गहने, मोटरसायकल, स्कूटी खरीदने और खेती की जमीन को विकसित करने में कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों ने राज्य सरकार द्वारा पैरादान की अपील पर गौठानों में 5 लाख क्विंटल से अधिक पैरादान किया है। प्रदेश में धान की कटाई का काम लगभग समाप्त हो गया है। अभी भी बहुत से किसानों के खेतों में काफी मात्रा में पैरा इकट्ठा कर रखा गया है। इस पैरे को खेतों से गौठानों तक लाने का इंतजाम किया जाना चाहिए।

सीएम बघेल ने राजकीय पशु जंगली भैंसों के संरक्षण पर लिखी विशेष पुस्तक का किया विमोचन

वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा जंगली भैंसों के संरक्षण पर लिखी गई पुस्तक है 'बैक फ्राम दी ब्रिंक'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा छत्तीसगढ़ के राजकीय पशु जंगली भैंसों के संरक्षण पर लिखी गई विशेष पुस्तक 'बैक फ्राम दी ब्रिंक' का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक में विमोचन के अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अतिरिक्त मुख्य सचिव सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव वन मनोज कुमार पिंगुआ, पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख संजय शुक्ला, पीसीसीएफ (वन्यजीव) पी. व्ही. नरसिंह राव एवं राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्यों के साथ साथ राज्य के कई वरिष्ठ वन अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक नरसिंह राव ने जंगली भैंसों पर लिखी इस विशेष पुस्तक के बारे में जानकारी दी और पिछले 17 वर्षों से वन विभाग की ओर से तकनीकी सहयोग के लिए वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफइंडिया को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि भारत में विश्व स्तर पर लुप्तप्राय जंगली भैंसों (बुवालिस अरनी) की 80 प्रतिशत से अधिक संख्या पायी जाती है। छत्तीसगढ़ में कठोर भूमि (हार्ड ग्राउंड) में वन भैंसों की संख्या 50 से भी कम रह गयी है। असम की आर्द्र भूमि में वन भैसा की संख्या 4000 के करीब है। पिछले लगभग 17 वर्षो से डब्ल्यूटीआई, छत्तीसगढ़ वन विभाग के साथ वन भैंसों के संरक्षण एवं संवर्धन पर कार्य कर रहा है। इस पुस्तक में पिछले दो दशकों से चल रही परियोजना के विभिन्न पहलुओं के विवरण के साथ साथ संरक्षण के लक्ष्य का विस्तृत विवरण दिया गया है।

वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफइंडिया के संस्थापक और कार्यकारी निर्देशक विवेक मेनन के अनुसार, डब्ल्यूटीआई ने 2005 में जब राज्य में कार्य करना शुरू किया, उस समय उदंती अभ्यारण्य में एक मादा वन भैंसी के साथ सिर्फ छह वन भैंसे बचे थे। इसका मतलब यह था कि मध्य भारत की अलग-अलग आबादी के विलुप्त होने का गंभीर खतरा था। यह रिपोर्ट लुप्तप्राय वन भैंसों के साथ 15 वर्षों के संरक्षण कार्य का इतिहास है। हालांकि काम अभी खत्म नहीं हुआ है। छत्तीसगढ़ के राजकीय पशु के संरक्षण के लिए वैश्विक ध्यान के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के उपनिदेशक एवं मध्य क्षेत्र प्रमुख डॉ. राजेंद्र मिश्रा के अनुसार परियोजना अवधि के दौरान उदंती अभ्यारण्य में अधिकतम 11 वन भैंसे थे। वन विभाग ने डब्ल्यूटीआई के तकनीकी सहयोग से वर्ष 2020 में असम के मानस राष्ट्रीय उद्यान से दो वन भैंसों (नर एवं मादा) कंजर्वेशन ब्रीडिंग के लिए बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य में स्थानांतरित करने में भी सफल रहा। डॉ. मिश्रा ने सहयोग के लिए ओरैकल को धन्यवाद दिया।

पुस्तक में बताया गया है कि उदंती के वन भैंसे असम राज्य और यहां तक कि महाराष्ट्र के जंगली भैसों के साथ हैप्लोटाइप साझा करती हैं और इसलिए उदंती में जंगली भैंसों की आबादी को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जा सकता है। हालांकि, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में घटते जा रहे वन एवं घास के मैदान जंगली भैंसों को बचाने में गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। लगातार तीन वर्षों के जन जागरूकता अभियान के माध्यम से, डब्ल्यूटीआई ने लगभग 4000 छात्रों, 3000 ग्रामीणों एवं 12 सार्वजनिक सेवा विभागों तक वन भैंसों के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रचार-प्रसार किया गया। जिसका असर समाज के सभी वर्गों तक पहुंचा है।

स्वास्थ्य विभाग की 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत राज्य स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में 15वें वित्त आयोग के माध्यम से प्राप्त स्वास्थ्य अनुदान के क्रियान्वयन के लिए गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु छत्तीसगढ़ राज्य को प्राप्त होने वाले करीब 355 करोड़ 74 लाख रूपए के स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न अधोसंरचनाओं के निर्माण एवं संचालन संबंधी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 15वें वित्त आयोग से प्राप्त होने वाले स्वास्थ्य मद अनुदान की राशि से करीब 55 भवनविहीन स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण किया जाएगा। राज्य के करीब 1154 गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटरों का उन्नयन किया जाएगा और 364 शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस केंद्र एवं 15 पॉलिक्लीनिक के संचालन की व्यवस्था और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विभिन्न जांच परीक्षण की सुविधाओं के विस्तार हेतु व्यय किया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव आर. प्रसन्ना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक भोस्कर विलास संदीपन, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक अभिजीत सिंह सहित राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) के अन्य सदस्य शामिल हुए।

गुरू घासीदास जयंतीः नगरीय प्रशासन मंत्री ने 5.65 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग के ग्राम नरदहा में गुरू घासीदास जंयती में शामिल हुए। डॉ. डहरिया ने गुरू बाबा घासीदास के चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने जैतखाम पर पालो चढ़ाकर नारियल भेंट किया। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग के ग्राम नरदहा में विभिन्न विकास कार्यों के लिए पांच करोड़ 65 लाख रूपए से अधिक के निर्माण एवं विकास का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

डॉ. डहरिया ने ग्राम नरदहा में शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण एक करोड़ 20 लाख रूपए, शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक परिसर में सी.सी रोड, नाली आहता एवं समतलीकरण 65 लाख रूपए, कुर्मी समाज सामुदायिक भवन परिसर में शेड निर्माण 19 लाख 57 हजार रूपए, धान उपार्जन केन्द्र में शेड निर्माण, चबुतरा, आहता, सी.सी. रोड़ एवं कम्प्यूटर कक्ष निर्माण 89 लाख रूपए, सामुदायिक भवन एवं आहता निर्माण साहू समाज के लिए 17 लाख 10 हजार रूपए, गयन्दराम स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण चार लाख 71 हजार रूपए, शासकीय कन्या शाला परिसर में रंगमंच, शेड निर्माण, समतलीकरण कार्य के नौ लाख 20 हजार रूपए, शासकीय बालक शाला परिसर में रंगमंच, शेड निर्माण, उन्नयन एवं समतलीकरण 23 लाख 50 हजार रूपए के लागत कार्यों सहित अन्य निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसी तरह से डॉ. डहरिया ने करीब 36 सड़क, रंगमंच, सामुदायिक भवन, पैरा शेड निर्माण, आहता निर्माण, मुक्तिधाम, तालाब, नाली निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों जिनकी लागत करीब दो करोड़ 17 लाख रूपए है का भूमिपूजन किया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैंड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेंडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

खास खबर

सुहाना खान, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा की द आर्चीज की शूटिंग हुई पूरी

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान द आर्चीज के जरिए बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। अब इन स्टारकिड्स ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। मेकर्स ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर फिल्म की शूटिंग को खत्म करने की जानकारी दी है। रैप-अप और केक काटने की रस्म की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की गई हैं।

नेटफ्लिक्स ने तस्वीरें शेयर करते हुए अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, अभी इस फिल्म की शूटिंग पूरी हुई है। हम इस गैंग को स्क्रीन पर देखने का इंतजार नहीं कर सकते। निर्देशक जोया अख्तर के साथ तस्वीरों में फिल्म के कलाकार मस्ती करते दिखे हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। यह भारत के 1960 के दशक की पृष्ठभूमि में बनेगी। इसकी कहानी टीनेज पर है, जो कुछ दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

नेटफ्लिक्स ने की उपहार अग्निकांड पर आधारित शो की घोषणा, जनवरी में होगा स्ट्रीम

जून 1997 का वो दिन भला कौन भूल सकता है जब 50 से ज्यादा दर्शकों ने सिनेमाघर में लगे भीषण आग की चपेट में आकर जान गंवा दी थी और 100 से अधिक लोग घायल हो गए थे। हम बात कर रहे हैं उपहार सिनेमा अग्निकांड की। आपको इस हादसे के पीड़ितों की तकलीफ जल्द ही पर्दे पर देखने को मिलेगी। नेटफ्लिक्स ने इस घटना पर आधारित शो द ट्रायल बाई फायर की घोषणा की है।

द ट्रायल बाई फायर 13 जनवरी, 2023 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। शो का निर्देशन प्रशांत नायर और रणदीप झा ने किया है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा शो है जिसमें इस अग्निकांड के पीड़ितों के न्याय की लड़ाई को दिखाया जाएगा। यह नीलम और शेखर कृष्णमूर्ति की बेस्टसेलर किताब ट्रायल बाई फायर: द ट्रैजिक टेल पर आधारित है। शो में अभय देओल, राजेश तैलांग, अनुपम खेर और रत्ना पाठक शाह जैसे सितारे नजर आएंगे। नीलम और शेखर कृष्णमूर्ति ने इस हादसे में अपने बच्चों को खो दिया था। इसके बाद न्याय की लड़ाई शुरू की। कोर्ट के चक्कर और रसूखदार आरोपियों ने उनकी लड़ाई को मुश्किल बनाया पर वे 24 साल तक जूझते रहे।

खबर के अनुसार प्रशांत नायर ने कहा, नीलम और शेखर उस जिद के बेमिसाल उदाहरण हैं जिसकी जरूरत इस देश में सुई को हल्का सा हिलाने के लिए पड़ती है। उनके साथ जो हुआ और जिस तरह उन्हें न्याय के लिए लड़ना पड़ा, वह डरावना है। दुर्भाग्य से ऐसी ही परिस्थिति में कई लोग हैं। हम इस कहानी को सुनाने में साथ देने के लिए नेटफ्लिक्स को धन्यवाद देते हैं।

रणवीर सिंह ने सर्कस फिल्म की शूटिंग के बारे में साझा किए अनुभव

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह ने अपनी फिल्म सर्कस की शूटिंग को लेकर कई सारे राज खोले और बताया कि कैसे उन्होंने रोहित शेट्टी की इस फिल्म में काम किया। फिल्म के प्रमोशन के लिए द कपिल शर्मा शो पर अपनी टीम के साथ पहुंचे रणवीर सिंह ने इस फिल्म को लेकर कई सारी बातें की और अपने अनुभव साझा किए।

रणवीर सिंह ने कहा, इस फिल्म में करंट लगने वाली स्थिति की रोहित शेट्टी ने हमको बहुत सारी रिहर्सल कराई थी क्योंकि वह चाहते थे कि सीन बहुत साधारण हो क्योंकि यह एक ऐसा सीन है जिसको करने के लिए बहुत सारी चीजें ध्यान में रखनी पड़ती हैं। आगे रणवीर ने कहा, रोहित शेट्टी बहुत ही साधारण और वास्तिव बनाना चाहते थे इसीलिए हमने बहुत मेहनत की। यह बिजली का करंट लगने वाला सीन इतना आसान नहीं था कि बस हम जाएं, इलेक्ट्रसिटी का तार पकड़ें और समझ जाएं कि कैसे एक्टिंग करनी है। बल्कि मैंने इसके लिए बहुत सारे तरीके अपनाए तब जाकर यह सीना किया। इसके साथ ही अभिनेता ने रोहित शेट्टी की और उनके फिल्म बनाने के कौशल भी तारीफ की, साथ ही कहा कि यह फिल्म सर्कस लोगों को बहुत पसंद आएगी।

रणवीर की इस सर्कस फिल्म के मुख्य कलाकारों में जैकलीन, पूजा, वरुण शर्मा, अश्वनी साहित कई सितारे शामिल हैं। फिल्म में दीपिका पादूकोण का एक आइटम सॉंग भी है। द कपिल शर्मा शो सोनी एंटरटेनमेंट टीवी पर प्रासारित होता है।

प्रभास की हॉरर कॉमेडी फिल्म में संजय दत्त निभाएंगे दादा का किरदार

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास एक हॉरर कॉमेडी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का शीर्षक अभी निर्धारित नहीं किया है। इसे फिल्ममेकर मारुती निर्देशित कर रहे है। ऐसी चर्चा है कि फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की एंट्री को गई है। वह फिल्म में दादा की भूमिका में नजर आ सकते हैं। फिल्म को फिलहाल केवल तेलुगु में शूट किया जा रहा है। इसके दो शेड्यूल की शूटिंग हैदराबाद में हुई है।

एक सूत्र ने बताया कि फिल्म में संजय एक दादा की महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। वहीं इसमें अभिनेत्री जरीना वहाब को मां और दादी की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में जरीना एक अनदेखा अवतार में नजर आने वाली हैं। खबरों की मानें तो यह हॉरर कॉमेडी दादी, दादा और पोते के प्रमुख पात्रों पर आधारित है। इसमें इंडस्ट्री की तीन नई अभिनेत्रियां पर्दे पर नजर आ सकती हैं।

हेजलनट्स को डाइट में शामिल करने से स्वास्थ्य को मिलते हैं ये 5 प्रमुख लाभ

हेजलनट्स स्वस्थ वसा, प्रोटीन, डाइटरी फाइबर और विटामिन ई जैसे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इन्हें कोबनट्स या फिल्बर्ट भी कहा जाता है और ये कोरीलस पेड़ के फल होते हैं। इनकी ज्यादातर खेती इटली, स्पेन, तुर्की और अमेरिका में की जाती है। आमतौर पर मीठे स्वाद से युक्त हेजलनट्स को कच्चा या भूनकर खाया जाता है। आइए जानते हैं कि डाइट में हेजलनट्स को शामिल करने से स्वास्थ्य से जुड़े क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए हैं अच्छे

हेजलनट्स में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और स्वस्थ वसा की उच्च मात्रा मौजूद होती है। ये गुण खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं, जो स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसे हृदय रोगों का खतरा उत्पन्न कर सकता है। इनमें मौजूद ओलिक एसिड भी हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। हेजलनट्स में डाइटरी फाइबर, पोटैशियम, फैटी एसिड और मैग्नीशियम भी होता है, जिससे ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद मिल सकती है।

एंटी-कैंसर गुण से युक्त होते हैं हेजलनट

हेजलनट्स में एंटी-ऑक्सीडेंट के साथ-साथ एंटी-कैंसर गुण होते हैं। ये कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं। अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर रिसर्च के अनुसार, हेजलनट्स में प्रोएंथोसायनिडिन्स और अल्फा-टोकोफेरॉल नामक एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं जो शरीर में मुक्त कणों को खत्म करके कैंसर का खतरा कम कर सकते हैं। इनके नियमित सेवन से कोलन कैंसर का खतरा कम होता है।

त्वचा को रखते हैं स्वस्थ

हेजलनट से बनाए जाने वाले तेल का इस्तेमाल तरह-तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स में किया जाता है। इसका कारण है कि इनमें फ्लेवोनॉयड्स और टैनिन जैसे फेनोलिक यौगिकों की उच्च मात्रा मौजूद होती है, जो त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। कई शोधों के अनुसार, ये फेनोलिक यौगिक त्वचा पर बढ़ती उम्र के प्रभाव को धीमा करने के साथ-साथ त्वचा की अन्य कई समस्याओं का प्राकृतिक इलाज करने में सहायक हो सकते हैं।

सूजन को कम करने में है सहायक

हेजलनट्स में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण और मोनोअनसैचुरेटेड वसा शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, अधिक वजन से ग्रस्त प्रतिभागियों ने 12 हफ्ते तक रोजाना 60 ग्राम हेजलनट्स का सेवन करने से खुद में सूजन की कमी का अनुभव किया। विशेषज्ञों के मुताबिक, रोजाना कम से कम 40 ग्राम हेजलनट्स खाने से शारीरिक सूजन में कमी आ सकती है।

बालों के लिए हैं बढ़िया

हेजलनट्स में पाया जाने वाला विटामिन-ई बालों का झड़ना कम करने समेत बालों की कई अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। ये स्कैल्प को भरपूर पोषण भी देता है और बालों की बनावट में भी सुधार कर सकता है। इसके अतिरिक्त हेजलनट्स शरीर में कोलेजन का उत्पादन बढ़ाने में भी मदद करते हैं, स्कैल्प को मजबूती प्रदान करता है। इनमें मौजूद प्रोटीन, सेलेनियम और जिंक बालों और स्कैल्प के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छे माने जाते हैं।

शीन दास ने अपने नए शो को लेकर साझा किए अपने विचार

पिया अलबेला एक्ट्रेस शीन दास अपनी अदाकारी और स्टाइल को लेकर खबरों में बनी रहती हैं। अब एक्ट्रेस नए शो कथा अनकही का हिस्सा बनने जा रही हैं, इस शो में एक्ट्रेस लीड रोल निभाएंगी। एक्ट्रेस ने इसको लेकर अपने विचार साझा किए हैं। अपनी बात रखते हुए एक्ट्रेस ने कहा, हालांकि मैंने पहले कभी ऐसे कोई रीमेक नहीं किया, जब मेरे पास यह प्रोजेक्ट आया तो मेरे पास मना करने का कोई विकल्प नहीं था। और मैंने इस लव स्टोरी को करने के लिए हां कह दिया।

बॉलीवुड में ऊंचाई फिल्म से अपनी शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस इस शो कथा अनकही में कथा की बेस्ट फ्रेंड रीवा का किरदार निभाया है, जो कि हमेशा ही अपनी दोस्त की मदद करने के लिए तैयार रहती है।

इस शो में कथा का किरदार अदिति शर्मा ने निभाया है जो कि शो में बहुत सारी परेशानियों का सामना करती हैं क्योंकि उसका बेटा बहुत बीमार होता है। इसमें कथा की मदद उसकी दोस्त रीवा करती है।

अभिनेत्री शीन दास ने अपने किरदार के बारे में आगे कहा, मेरा किरदार इस शो में बहुत ही प्यारा है इसीलिए आप इससे जुड़ पाएंगे। इसमें रीना और कथा के बीच बहुत ही प्यारा सा संबध दिखाया गया है जो कि एक-दूसरे के लिए हमेशा खड़ी रहती हैं। रीवा हमेशा ही कथा का दर्द और उसकी स्थिति समझती है।

शीन दास ने इस शो को लेकर आगे कहा, मुझे बहुत खुशी है और गर्व महसूस हो रहा है कि मैं इस शो का हिस्सा हूं। मैंने इतनी अच्छी टीम के साथ काम किया जो कि अपने आप में बहुत अच्छा अनुभव है मेरे लिए।

कथा अनकही तुर्की ड्रामा का रीमेक है। इसमें मुख्य भूमिका में अदिति शर्मा और अदनान खान नजर आएंगे। यह शो सोनी एंटरटेनमेंट पर प्रसारित होगा।

सर्दियों में करें च्यवनप्राश का सेवन मिलेंगे ये 5 प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

सर्दियों में कई तरह की जड़ी-बूटियों के इस्तेमाल से बनाए जाने वाले आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थ च्यवनप्राश का सेवन कई तरह के स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। विटामिन सी और और खनिजों से भरपूर च्यवनप्राश रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, उम्र लंबी करने, पाचन शक्ति और याददाश्त बढ़ाने के साथ आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है। ऐसे में आइए च्यवनप्राश के नियिमत इस्तेमाल से मिलने वाले पांच प्रमुख स्वास्थ्य लाभ कौनसे हैं।

च्यवनप्राश में किन सामग्रियों का होता है इस्तेमाल?

च्यवनप्राश में जैम जैसी स्थिरता होती है और इसमें 12 शक्तिशाली तत्व होते हैं। ये तत्व संपूर्ण शारीरिक बदलाव के साथ विभिन्न बीमारियों से लड़ने में सक्षम रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास करते हैं। च्यवनप्राश बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली 12 महत्वपूर्ण सामग्रियों में नीम, आंवला, तुलसी, सफेद चंदन, इलाइची, अश्वगंधा, अर्जुन छाल, केसर, देसी घी, काली मिर्च, शाहद और ब्राह्मी शामिल हैं। इसके अलावा इसमें लौंग और मीठी नीम के पत्तों का भी इस्तेमाल होता है।

पाचन शक्ति बढ़ाने में है मददगार

एडाप्टोजेनिक और एंटासिड गुणों से भरपूर च्यवनप्राश पाचन शक्ति को बढ़ाने में काफी मददगार होता है। इसके अलावा यह गैस के कारण होने वाली बीमारियों से भी दूर रखता है। इसमें मौजूद एंटी-फ्लैटुलेंट गुण आहार नली में गैस बनने से रोकते हैं। इससे पेट फूलने, सूजन और पेट दर्द की समस्या खत्म हो जाती है। इसी तरह इसमें मौजूद फाइबर पेट की अच्छी तरह सफाई करने और कब्ज को दूर करने में भी काफी सहायक होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक

च्यवनप्राश का उपयोग प्राचीन काल से ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता रहा है। विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर च्यवनप्राश प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है और शरीर को रोगाणुओं और बैक्टीरिया और वायरल संक्रमणों से बचाने में मदद करता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटीफंगल गुण भी होते हैं जो गले में खराश, सर्दी और खांसी, बुखार और अन्य सांस की बीमारियों को रोकने में मदद करते हैं।

वजन कम करने में भी है उपयोगी

च्यवनप्राश में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स वजन कम करने और स्वस्थ रहने में उपयोगी होता है। इसमें मौजूद फाइबर और पोषक तत्व पेट की भूख को शांत करने में मदद करने के साथ अधिक खाने से रोकते हैं। यह शरीर में एलडीएल का स्तर बढ़ने से भी रोकता है। इससे शरीर का वजन नियंत्रित रहता है। तेजी से वजन घटाने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए गर्म दूध के साथ रोजाना एक चम्मच च्यवनप्राश का सेवन करना लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

त्वचा का निखार बनाए रखने में मददगार

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर च्यवनप्राश त्वचा को सूर्य की हानिकारक यूवीए और यूवीबी किरणों के कारण होने वाले ऑक्सीडेटिव रेडिकल नुकसान से बचाने में मदद करता है। इसी तरह यह बढ़ती उम्र के संकेतों जैसे धब्बे, महीन रेखाएं, काले घेरे और झुर्रियों को कम करने में भी सहायता करता है। यह त्वचा को जवां और चमकदार भी बनाता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मुंहासों, फुंसियों और त्वचा के संक्रमण को कम करते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने में प्रभावी

अर्जुन छाल और अश्वगंधा की मौजूदगी के कारण च्यवनप्राश हृदय को स्वस्थ रखने में काफी मददगार होता है। यह दिमाग को भी शांत करता है और इससे कार्डियक सिस्टम सुचारू रूप से काम करता रहता है। यह तेज दिल की धड़कन और असामान्य रूप से दिल धड़कने की समस्या से जूझने वालों को काफी राहत पहुंचाता है। इसके अलावा यह लिपिड निर्माण रोकने के साथ कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और हृदय की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है।

पिंक आउटफिट में कृति सेनन की खूबसूरत तस्वीरें देखकर फैंस हुए बेकरार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी बोल्डनेस और खूबसूरती से फैंस के दिलों को बेताब करने का हुनर बखूबी जानती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें आते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं। वहीं, एक्ट्रेस कृति सेनन ने थाई हाई स्लिट आउटफिट में अपने किलर लुक में कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है। कृति सेनन पिंक कलर के थाई हाई स्लिट आउटफिट में कहर बरपा रही हैं। एक्ट्रेस कृति सेनन ने इस बोल्ड आउटफिट में बेहद ही कातिलाना पोज दिए, जो फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। डीपनेक आउटफिट में कृति सेनन बेहद बोल्ड और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की खूबसूरती को देखकर फैंस बेकाबू हो रहे हैं। साथ ही अपने दिल की मल्लिका बनाने को बेताब हैं। एक्ट्रेस फिल्मों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। कृति सेनन अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस कृति सेनन को फिल्म मिमी के लिए इस साल बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड मिला है। इंस्टाग्राम में भी एक्ट्रेस की काफी फॉलोइंग हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 51.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं। बेहद कम समय में ही बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक्ट्रेस ने अपनी एक अलग जगह बनाई है। वो बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

छत्तीसगढ़ एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर हुआ सम्मानित

छत्तीसगढ़ के मोर मयारू गुरूजी कार्यक्रम को मिला राष्ट्रीय सिल्वर स्कोच अवार्ड

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व में चार वर्षों से लगातार आगे बढ़ रहा है प्रदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ देश में अपनी अलग पहचान बना रहा है। श्री बघेल ने नेतृत्व में जनहित में जारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उनके मानिटरिंग को लेकर छत्तीसगढ़ में उत्कृष्ट रूप से कार्यों का संपादन हो रहा है और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ को लगातार पुरस्कार मिल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के ''मोर मयारू गुरूजी'' कार्यक्रम को मिला राष्ट्रीय सिल्वर स्कोच अवार्ड इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ ने एक और राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के ''मोर मयारू गुरूजी'' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर स्कोच अवार्ड प्राप्त हुआ है। इस सम्मान को इंडिया हैबिटेट सेन्टर नई दिल्ली में एक बड़े गरिमामय कार्यक्रम में आज स्कोच फाउण्डेशन द्वारा प्रदान किया गया । इस सम्मान को महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया और आयोग की अध्यक्ष श्रीमती तेजकुंवर नेताम ने प्राप्त किया । इस अवसर पर आयोग के सचिव प्रतीक खरे एवं आयोग की सदस्य श्रीमती पूजा खनूजा उपस्थित थे । सम्मान प्राप्त करने उपरांत अपने उद्बोधन में श्रीमती अनिला

भेड़िया ने कहा कि बच्चों की मानसिकता को देखकर-समझकर शिक्षकों को बच्चों से व्यवहार करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरूआत की गयी है। इस सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड और वन विभाग बालोद को भी अवार्ड प्राप्त होने पर उन्होंने बधाई दी । उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त होता है तो काम करने वालों का हौसला बढ़ जाता है । उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्कोच अवार्ड एक अत्यंत प्रतिष्ठित सम्मान है जो कि 07 चरणों की चरणबद्ध प्रक्रिया को पार करने के उपरांत ही प्राप्त होता है । यह अवार्ड महिला एवं बाल विकास की श्रेणी में बाल संरक्षण के क्षेत्र में ''मोर मयारू गुरूजी'' कार्यक्रम के नवाचार पर दिया गया है। ''मोर मयारू गुरूजी'' कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों के बच्चों पर पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभाव को रूचिकर तरीके से बताते हुए उन्हें जागरूक किया जाता है। बच्चों से व्यवहार करते समय या सम्पूर्ण शिक्षा के दौरान शिक्षक के चरित्र तथा व्यक्तित्व का बच्चों पर असर पड़ता है और यदि इसका सजगतापूर्वक ध्यान रखा गया तो बच्चों को नैतिकता और उत्तम चरित्र प्रदान कर बाल अधिकारों की रक्षा संभव है । आयोग द्वारा अब तक इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों एवं राज्य स्तर पर लगभग 2000 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है और भविष्य में इसे जिला स्तर तक विस्तार करने की भी योजना है ।

खास खबर

शिव महापुराण कथा के दौरान पत्रकारों का हुआ सम्मान

गरियाबंद। गांधी मैदान में नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा के दौरान नगर के पत्रकारों का सम्मान कथा के आयोजक द्वारा किया गया।नव दिवसीय संगीतमय अदभुत शिव महापुराण कथा का वाचन करने हेतु व्यासपीठ पर धामपुर ऊत्तरप्रदेश के धर्मरत्न परमपूज्य महंत श्री राधेश्याम जी महाराज अपनी ओजस्वी वाणी से कथा का रसपान कराये।वहीं कथा के परायणकर्ता पं.श्री आचार्य प्रदुम्न द्विवेदी रहे।इस कथा का समापन सोमवार की हजारों भक्तों की उपस्थिति में किया गया।वही समापन के अबसर पर नगर के पत्रकार फारूक मेमन,ज्ञानेश तिवारी,जीवन साहू,गोरेलाल सिन्हा,शिव भिलेपारिया,सागर मयानी,महेन्द्र सहिस,लोकेश्वर सिन्हा,रितेश यादव और राकेश देवांगन का सम्मान किया गया।आपको बता दें नगर के गाँधी मैदान में 11 से 19 दिसंबर तक अदभुत शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया। पंडाल में उपस्थित शिवभक्तों ने बतलाया भक्तजनों के लिए विशाल पांडाल तैयार है।श्रध्दालुओ के लिये बैठने के लिये उत्तम व्यवस्था की गई है वही बुजुर्गों और दीवायंग जनों के लिए बिशेष व्यवस्था की गई है।साथ ही इस भक्तिमय माहौल में बड़े और छोटे वाहनों की उचित पार्किंग व्यवस्था गांधी मैदान में किया गया है।

कॉर्टेन स्टील से म्यूजियम को किया गया है तैयार सड़क एवं स्वास्थ्य सुविधा पर विशेष जोर

विकास एवं जन कल्याणकारी कार्यों पर की गई चर्चा

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष खेलसाय सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सूरजपुर के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सड़क एवं स्वास्थ्य सुविधा पर विशेष जोर दिया गया। बेहतर चिकित्सा के लिए डॉक्टरों की भर्ती और एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने भी कहा गया।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री बृहस्पत सिंह एवं श्री गुलाब कमरो, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री भानुप्रताप सिंह, विधायक भटगांव श्री पारसनाथ राजवाड़े, मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल, कुनकुरी विधायक श्री यू.डी. मिंज, बैकुण्ठपुर विधायक श्रीमती अम्बिका सिंहदेव, जिला पंचायत अध्यक्ष सूरजपुर श्रीमती राजकुमारी मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष सरगुजा श्रीमती मधु सिंह, महापौर चिरमिरी श्रीमती कंचन जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया श्रीमती रेणुका सिंह सहित उपायुक्त सरगुजा संभाग, संबंधित जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संभाग के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्राधिकरण की वर्चुअल बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें जशपुर विधायक श्री विनय कुमार भगत शामिल हुए। सरगुजा संभाग के आयुक्त डॉ. संजय कुमार अलंग ने सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों की एजेंडावार जानकारी दी। बैठक में पुलिया, सड़क एवं तटबंध निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में जाति प्रमाण पत्र में मात्रा एवं अक्षर संबंधी त्रुटि का सुधार प्राथमिकता से तत्काल करने के निर्देश दिए गए। किसानों को ऋण लेने और बैंक से पैसा निकालने में होने वाली कठिनाई को दूर करने के लिए लीड बैंक को व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया गया। मुख्य अभियंता विद्युत को संभाग के क्षेत्र में विद्युत की व्यवस्था में सुधार किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि मानव तस्करी के प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है और आरोपियों पर कार्रवाई की गई है।

एसईसीएल कोरिया, सूरजपुर के अधीन अनुपयोगी जमीनों को वापस किए जाने के संबंध में कलेक्टर सूरजपुर द्वारा अवगत कराया गया कि एसईसीएल क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विभिन्न कोयला परियोजना के लिए कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम 1957 के प्रावधानों के तहत कंपनी को केन्द्र सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना भूमि अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी। एसईसीएल विश्रामपुर द्वारा अवगत कराया गया कि भूमि पर सोलर पावर प्लांट लगाने की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने दुर्घटनाग्रस्त कोयला खदान को डिसमेंट करने एवं अधिग्रहित परिवार को नियमानुसार मुआवजा देने का सुझाव दिया। बैठक में सरगुजा संभाग के स्थानीय निवासियों को तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की भर्ती में प्राथमिकता दिए जाने पर जोर दिया। सरगुजा संभाग में सड़क क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई गई। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 पत्थलगांव से कुनकुरी के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की बात विधायक श्री यू.डी. मिंज द्वारा कही गई। अम्बिकापुर, जशपुर, बलरामपुर क्षेत्र की सड़कों के मरम्मत और निर्माण कार्य को गंभीरता से समय पर पूर्ण करने कहा गया।

हाट-बाजार क्लिनिक में ग्रामीणों को मिल रही निःशुल्क बीपी-शुगर जांच की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर । कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिले के चिन्हांकित हाट-बाजारों में मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के तहत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। लुण्ड्रा जनपद के अंतर्गत स्थानीय हाट-बाजार लुण्ड्रा में हाट बाजार क्लीनिक योजना के अंतर्गत सोमवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में सीजीएमएससी के अध्यक्ष व लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम पहुंचे। उन्होंने स्वयं नवनिर्वाचित जनपद उपाध्यक्ष श्री त्रिलोकी सिंह के बीपी और शुगर जांच की। स्वास्थ्य शिविर में आने वाले मरीजों से विधायक ने बात कर उचित चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में आकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की। शिविर में ईलाज कराने आए कुल 207 लोगों का शिविर में स्वास्थ्य जांच किया गया तथा 137 लोगों को नि:शुल्क दवा वितरित किया गया। सीएमएचओ डॉ.पीएस सिसोदिया के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत लुण्ड्रा के साप्ताहिक बाजार में मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है जो जिला मुख्यालय अम्बिकापुर से लगभग 32 किमी की दूरी पर स्थित है। डॉक्टर की टीम ने शिविर में बीपी, शुगर, एचबी जांच, वायरल फीवर, सर्दी, खाँसी तथा अन्य रोगों का जांच सह उपचार किया गया। शिविर के माध्यम से नि:शुल्क ईलाज कर दवा वितरण किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को मौसमी बीमारी से सावधान रहने तथा अपने आस-पास साफ-सफाई रखने की अपील भी की गई। साप्ताहिक बाजार में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगने से ग्रामीण खुश हुए। लोगों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया।

छत्तीसगढ़ की माटी में अध्यात्म का रंग कमला दीदी के अथक सेवाओं का फल - ब्रम्हाकुमारी मनोरमा दीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कमला दीदी की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्रयागराज से पधारी धार्मिक सेवा प्रभाग की अध्यक्ष ब्रम्हाकुमारी मनोरमा दीदी ने राजयोगिनी कमला दीदी के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि भिलाई पावन भूमि है जहां पर परमात्म ज्ञान का बीज कमला बहनजी द्वारा बोया गया जो आज विशाल वृक्ष बनकर अनगिनत लोगों को शांति की शीतल छाया दे रहा है। कमला दीदी परमात्म पारस मणि थी।

भगवान की मत पर आज्ञाकारीता का गुण उनकी विशेषता थी। छत्तीसगढ़ की माटी में अध्यात्म का रंग कमला दीदी के अथक सेवाओं का फल है। भगवान प्रेम का सागर है लेकिन उसका प्रत्यक्ष स्वरूप कमला बहनजी थी। वे कहती थी की राजयोग से प्राप्त उत्तर को जीवन के प्रश्नों में फिट करो और निश्चिंत, सुखी रहो। आपके सानिध्य में ही अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू के बाद देश में प्रथम रिट्रीट सेंटर रायपुर शांति सरोवर की स्थापना हुई। अटल नगर (नया रायपुर) में शांति शिखर, भिलाई का राजयोग भवन, अंतर्दशा भवन, एवं छत्तीसगढ़, उड़ीसा सहित राजस्थान के कई स्थानों में आपके मार्गदर्शन में अनेकानेक सेवा केंद्रों की स्थापना हुई। पूरे जोन को आपने सरलता, विनम्रता दिव्य गुणों से एक सूत्र में पिरोकर ममतामई पालना से सींचा।

ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने राजयोगिनी कमला बहनजी प्रति अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा की आप पूरे जोन की इंचार्ज थी लेकिन इंचार्ज का भाव नहीं था, आपसे सदा बड़ी दीदी और मां की पालना ही मिली ,उनका हमारे जैसी छोटी छोटी बहनों के प्रति सम्मान देना हमें आगे बढ़ने में बल देता था। भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कमला बहन जी के साथ अपने 50 वर्षों के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि 15 वर्ष की उम्र से ही मुझे कमला बहनजी का मार्गदर्शन मिलता रहा जो कि अभी तक अनवरत चलता रहा आगे भी उनकी सूक्ष्म प्रेरणा हमें आगे बढ़ने में मदद करेगी। कभी किसी से लेने का भाव नहीं था उनमे ,सदा देने का भाव । कभी किसी व्यक्ति, वस्तु में आसक्ति नहीं थी उनकी , सदा न्यारी और परमात्म प्यारी रहे । इस्पात भूमि भिलाई सेक्टर 7 में राजयोग भवन की नींव आपके दृढ़ संकल्प से स्थापना हुई, कमला अर्थात लक्ष्मी सदा देने वाली तपस्वीनी । कमला बहनजी कहा करती थी कि अपनी खुशी कभी कम नहीं होनी चाहिए, सच्चाई सफाई के साथ जीवन में सदा सकारात्मक रहना चाहिए। आपके द्वारा बस्तर के आदिवासी क्षेत्रों के 65 से भी अधिक गाँवों में भी आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा उनकी पालना हुई। इंदौर से पधारी मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक बी के हेमा दीदी ने कमला बहन जी के साथ का संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उनका जीवन पारदर्शिता, सत्य स्वरूप,अंदर बाहर एक समान था7 आपके शक्तिशाली संकल्पों में सिद्धि थी जिसका फल स्वरुप आज हम सभी इतनी बड़ी सभा को देख रहे क्योंकि उनके संकल्प जीवन के अंतिम पलो में भी सदा निस्वार्थ और दतापन के रहे । उम्र के अंतिम पड़ाव में भी आप अथक रूप से ईश्वरीय सेवाएं करती रही। आपने कभी अपनी महिमा स्वीकार नही की , आप दादियों का उदाहरण देते कहती की दादियों ने तो पूरे विश्व मे कितनी सेवा की उनके आगे हम कुछ नही।

भिलाई में जन्मी ब्रह्माकुमारी सविता दीदी जो कि वर्तमान में रायपुर की बेहद सेवाओं के निमित्त हैं ,सविता दीदी ने कमला दीदी के साथ 35 वर्षों का अनुभव सुनाते हुए बताया कि 18 साल की आयु से ही कमला बहन जी के साथ रायपुर की सेवाओं में रहने का अवसर प्राप्त हुआ। भिलाई सेवाओं के प्रारम्भ में अग्रसेन भवन,महाराष्ट्र मंडल, सेक्टर 6 के प्राइमरी स्कूल में प्रदर्शनी लगाई थी।

पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे ने राजयोगिनी कमला दीदी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नवनिर्वाचित छत्तीसगढ़ विधानसभा के समस्त विधायकों को शांति सरोवर रिट्रीट सरोवर में राजयोग मेडिटेशन और ब्रह्मा भोजन पर आमंत्रित किया जाता है यह परम्परा आज भी अनवरत जारी है। आपने ब्रह्माकुमारी संस्था एवं दीदियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि दीदियों के स्नेह से तो पराए भी अपने हो जाते हैं यह दीदियों की कमाल है।

खैरागढ़ में आयोजित फोटो प्रदर्शनी के जरिए दी गई सरकारी योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़ । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार के 4 साल पूर्ण होने पर राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए आज सोमवार को जिला मुख्यालय खैरागढ़ के कलेक्टोरेट के सामने छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ. जगदीश कुमार सोनकर के मार्गदर्शन में छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी में राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। जिसका अवलोकन नगर पालिका खैरागढ़ के पार्षद श्री सुमित टांडिया एवं आम नागरिकों ने किया। सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी में राज्य सरकार की उपलब्धियों और जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को आकर्षक चित्र और संक्षिप्त जानकारी के साथ प्रदर्शित किया गया।

राज्य सरकार की योजनाओं को छायाचित्र में बखूबी तरीके से नागरिकजन समझ रहे है और प्रदर्शनी की सराहना की। प्रदर्शनी को देखने आये लोगों ने कहा कि यह प्रदर्शनी लोगों में एक जागरूकता का माध्यम है, जिसमें मुख्य रूप से गोधन न्याय योजना, सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, छत्तीसगढ मिलेट मिशन, वनोपज खरीदी, छत्तीसगढ़ न्याय की नई परिभाषा, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, स्वामी आत्मानंद सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूल, राजीव युवा मितान क्लब, बिजली बिल हाफ योजना, कृष्णकुंज, श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना को प्रदर्शित किया गया है। जिससे आम नागरिक शासन की योजनाओं का फायदा उठा सके। इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका जनमन सहित शासकीय योजनाओं पर आधारित पम्पलेट, ब्रोशर का नि:शुल्क वितरण किया गया।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सुबह की सैर पर निकले दो दोस्तों को तेज रफ्तार वाहन ने चपेट में लिया, दोनों की मौत

डोंगरगांव। सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले दो ग्रामीणों को अज्ञात वाहन चालक ने रौंद दिया। जिससे एक ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं दूसरा गंभीर रुप से घायल है। घायल को इलाज के लिए राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना डोंगरगांव थाना क्षेत्र के कुमरदा के पास की है। पुलिस के अनुसार अछोली निवासी मदन जांगड़े और नोहर साहू सोमवार को रोजाना की तरह सुबह 5 बजे मॉर्निंग वॉक करने घर से निकले थे।

डोंगरगांव चौकी मार्ग में दोनों सड़क किनारे मार्निंग वॉक कर रहे थे। इस दौरान कुमरदा के पास करीब 6 बजे के आसपास किसी तेज रफ्तार वाहन ने दोनों को चपेट में ले लिया। घटना में मदन जांगड़े की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नोहर साहू की स्थिति गंभीर है। दुर्घटना इतना भयानक थी कि मृतक मदन जांगड़े का शव मौके पर क्षत विक्षत हालत में पड़ा हुआ था। नोहर साहू को भी गंभीर चोटें आई हैं।

घटना की जानकारी राहगीरों द्वारा पुलिस को दी गई। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल नोहर को तत्काल अस्पातल पहुंचाया। वहीं मृतक मदन के शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना में जुटी है।

18 बाइक चोरी में शामिल आधा दर्जन आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद (ए)। पुलिस ने महासमुंद व रायपुर जिले से मोटरसाइकिल चोरी के मामले में छः आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान महासमुंद के भूपेंद्र बघेल, युगल किशोर निर्मलकर, रविशंकर, भानु हरपाल, राकेश यादव और मोटरसाइकिल मैकेनिक शानू खान के रूप में की है।

पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सुचना पर बघेल को तब पकड़ा गया जब वह बाइक बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने और निर्मलकर ने रायपुर से चार और महासमुंद से 14 कुल 18 बाइक चुराई और उन्हें चार अन्य आरोपियों को बेच दी थी।

बिना हेलमेट, सीट बेल्ट के गाड़ी चलाते मिले 3550 लोग

ट्रैफिक पुलिस ने चौंक-चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाकर दी सख्त हिदायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। तेजी से बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने लिए दुर्ग पुलिस ने सोमवार को भिलाई शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों में 3550 वाहन चालकों को समझाइश देते हुए चेकिंग अभियान चलाया। ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेलमेट गाड़ी चलाने वाले दोपहिया वाहन चालकों को रोक-रोकर उन्हें हेलमेट पहनने की हिदायत दी। वहीं चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाकार ही वाहन चलाने की सलाह दी। मालवाहकों में सवारी बैठाने और दोपहिया वाहनों में तीन सवारी करने वालों को सख्ती से समझाते हुए चालानी कार्रवाई करने की बात कही।

नाबालिगों को दी सख्त हिदायत

यातायात समझाइश अभियान के तहत गाड़ी से स्कूल आने-जाने वाले नाबालिक छात्र-छात्राओं की चेंकिग किया गया। 385 नाबालिगों को चेकिंग कर प्राचार्य और अविभावकों से बच्चों को गाड़ी न देने की सलाह दी गई। इसी प्रकार अपार्टमेन्ट में रहने वाले 215 और औद्योगिक संस्थानो में काम करने वाले 454 लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने के लिए कहा गया।

इन जगहों पर चला चेकिंग अभियान

भिलाई के ग्लोब चौक, सेक्टर 7 में बिना हेलमेट दो पहिया चालन करने वाले महिला-पुरुषों को पुलिस ने रोका। वहीं बिना सीट बेल्ट लगाए चार पहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश देते हुए चौक के आस-पास स्वच्छ भिलाई के तहत पॉलिथीन एकत्र कराया गया। ट्रैफिक्क पुलिस ने कहा समझाइश के बाद भी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय जेल के बंदी की अस्पताल में संदिग्ध मौत कलेक्टर ने जांच के लिए नियुक्त किया दंडाधिकारी

दुर्ग। केंद्रीय जेल दुर्ग में बंदी की मौत के मामले में अब दंडाधिकारी जांच होगी। अनुविभागीय दंडाधिकारी छावनी इस पूरे मामले की जांच करेंगे। दंडित बंदी हितेन्द्र ताम्रकार की संदिग्ध मृत्यु जुनवानी रोड, भिलाई स्थित श्री शंकराचार्य कोविड सेंटर में हो गई थी। जिसमें हत्या एवं लापरवाही की आशंका व्यक्त करते हुए मजिस्ट्रेट से जांच और आर्थिक सहायता के साथ नौकरी की मांग की गई हैं। कलेक्टर एवं जिला दंण्डाधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने बंदी की मृत्यु की दंडाधिकारी जांच हेतु अनुविभागीय दंडाधिकारी छावनी/भिलाई को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। जांच अधिकारी निर्धारित बिंदु पर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

इन बिंदुओं पर होगी जांचजांच के लिए निर्धारित बिंदु है, क्या दंडित बंदी किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित था। क्या बंदी को समय पर पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। बंदी की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई। बंदी की मृत्यु के लिए जेल अधीक्षक या कर्मचारी तो जिम्मेदार नहीं है। दंडित बंदी की मृत्यु के लिए क्या इस घटना को टाला जा सकता था। साथ ही जांच अधिकारी उचित समझते हुए जांच करेंगे।

शराब के लिए पत्नी ने नहीं दिए पैसे तो पति ने कुल्हाड़ी से किया हमला, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शराब के लिए पैसे नहीं देने पर शख्स ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस दौरान पति इतना गुस्से में था कि वह अपनी पत्नी की जान लेने पर तुला हुआ था। चीख पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाला भाई पहुंचा तो वह भाग निकला। गंभीर रूप से घायल महिला को उसके भाई ने अस्पताल में भर्ती कराया। इधर सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना कोरबा जिले के श्यांग थाना क्षेत्र का है। यहां के खिसलारीपारा निवासी प्रफुल्ल यादव(38) अपनी पत्नी लगनमती(35) और 16 साल के बेटे रामकुमार के साथ रहता है। घर खर्च चलाने के लिए रोजी मजदूरी करता है और शराब पीने का आदी है। रविवार को भी वह शराब पीकर घर पहुंचा था। रात को खाना खाने के बाद सभी सो गए इस दौराप प्रफुल्ल ने अपनी पत्नी से शराब पीने के लिए पैसे मांगे।

पत्नी ने यह कहते हुए मना किया कि पहले से इतनी पिए हैं और नहीं पीना है। पत्नी के पैसे नहीं देने से वह नाराज हुआ और मारपीट करने

लगा। इस दौरान कुल्हाड़ी से भी वार कर दिया। महिला जोर जोर से चिल्लाने लगी। शोर सुनकर पड़ोस में रहने वाला उसका भाई पहुंचा तो प्रफुल्ल भाग गया। इसके बाद लगनमति को उसके भाई ने अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस ने प्रफुल्ल के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश की। इस दौरान आरोपी जंगल में पुलिस के हाथ लगा। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने नंबर सर्च कर रहा था शख्स, खाते से पार हो गए एक लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में डिजीटल चोरियां बढ़ती जा रही है। जरा सी लापरवाही हुई नहीं कि शातिर अपना काम कर देत हैं। ताजा मामले में रायपुर के एक सरकारी कर्मचारी के खाते से एक लाख पार हो गए और उसे पता भी नहीं चला कैसे। बाद में उसे पता चला कि उसने एक डॉक्टर का नंबर गुगल पर सर्च किया था और एक कॉलर से उसकी बात हुई थी। डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने के लिए 10 रुपए ट्रांसफर किया लेकिन वह फेल हो गया और बाद में उसके खाते से एक लाख पार हो गए। इस मामले में शिकायत के बाद अज्ञात के खिलाफधारा 420 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार

पंडरीतराई निवासी खोमेश्वर राम देवांगन सरकारी स्कूल में संकुल समन्वयक हैं। आंखों की जांच के लिए इन्होंने अपने मोबाइल नंबर पर शहर के आई स्पेशलिस्ट डॉ दिनेश मिश्रा का नंबर सर्च कर रहे थे। एक नंबर मिला लेकिन उसमें कॉल कनेक्टर नहीं हुआ। इसके कुछ देर बाद खोमेश्वर के मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले से खोमेश्वर ने पूछा कि क्या आप डॉ. दिनेश मिश्रा के अस्पताल से बोल रहे हैं। इस पर कॉलर ने हां में जवाब दिया। इसके बाद खोमेश्वर ने डॉक्टर से अपनी आंखों की जांच कराने की बात कही और इसके लिए अपॉइंटमेंट फिक्स करना चाहा। कॉलर ने खोमेश्वर को कहा कि वह उसके वाट्सएप नंबर पर एक बुकिंग लिंक भेज रहे हैं जिसमें 10 रुपए भुगतान करने पर बुकिंग कन्फर्म हो जाएगी। खोमेश्वर ने बुकिंग लिंक से 10 रुपए भेजा लेकिन पेमेंट फेल हो गया। इसके बाद उसने कॉलर को बताया तो वहां से बोला गया कि आपकी बुकिंग कन्फर्म कर रहे हैं आप 10 रुपए क्लीनिक में आकर जमा कर देना। बात यहीं खत्म नहीं हुई इसके बाद खोमेश्वर के खाते से 1 लाख रुपए निकाल लिए गए। खोमेश्वर को SBI भाटापारा में खाता है। एक लाख रुपए निकलने के बाद खोमेश्वर को अहसास हुआ कि उसने गलत लिंक पर क्लिक कर दिया है। इसके बाद इस मामले में पुलिस के पास शिकायत दर्ज करई। फिलहाल पुलिस शातिर ठग का पता लगा रही है।

युवा आयोग के पूर्व सदस्य ने अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में युवा आयोग के पूर्व सदस्य ने जिला कलेक्टर पर गंभीर आरोप लगाते हुए परिवार सहित आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कलेक्टर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। युवा आयोग के पूर्व सदस्य अजय सिंह ने कहा कि, विधायक विक्रम मंडावी के दबाव में कलेक्टर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। काम का भुगतान रोका जा रहा है। काम निरस्त किए जा रहे हैं। इसकी जानकारी मैसेज कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी दी है।

अजय ने कहा कि यदि सप्ताह भर के अंदर बीजापुर कलेक्टर राजेंद्र कटारा का तबादला नहीं होता है तो मैं अपने परिवार के साथ आत्महत्या कर लूंगा। इसके जिम्मेदार सिर्फ कलेक्टर होंगे। अजय ने बताया कि शनिवार और रविवार 2 दिन छुट्टी होने के कारण कलेक्टर से नहीं मिल पाया। सोमवार को जब कलेक्टर से मिलने गया तो उन्होंने फिर से मुझसे मिलने मना कर दिया। वजह बताई की आज आम जनता से मिलने का समय है। गलत ढंग से मेरे कामों को निरस्त किया जा रहा है। मैं भीख मांगने नहीं बल्कि अपना अधिकार मांगने आया था। लेकिन फिर भी मेरी नहीं सुनी जा रही है।

बिलासपुर में टीसी की दबंगई: मशरूम व पनीर भूर्जी की जगह मटर पनीर परोसने पर सुपरवाइजर को पीटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। यहां के टीसी रेस्ट हाउस में एक टिकट कलेक्टर को उस समय गुस्सा आ गया जब उसे उसकी मनपंसद सब्जी नहीं मिली। टीसी साहब इतने गुस्सा हो गए रसोई के सुपरवाइजर को ही पीट दिया। दरअसल टीसी ने सुपरवाईजर से कहा कि उसे मशरूम की सब्जी खानी है। सुपरवाइजर ने मशरूम नहीं होने की बात कही तो टीसी पनीर भुर्जी पर राजी हो गया। सुपरवाइजर ने रसोई में इसका ऑर्डर भी कर दिया लेकिन मामला तब बिगड़ा जब टीसी को पनीर भुर्जी की जगह मटर पनीर परोसा गया। इस पर टीसी ने सुपरवाइजर की पिटाई कर दी।

मामला बिलासपुर रेलवे स्टेशन का है

और इस मामले में सुपरवाइजर तारबाहर थाने में केस दर्ज कराया है। तारबहार पुलिस ने बताया कि जांजगीर-चांपा के परसाभाठा निवासी राहुल कुमार घिडोरे (23) टीसी रेस्ट हाउस बिलासपुर में सुपरवाइजर है। घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है। टिकट कलेक्टर श्रीधर गुरुपल्ली ने सुपरवाइजर को मशरूम की सब्जी का ऑर्डर दिया। मशरूम नहीं होने से पनीर भुर्जी बनाने कहा।

सुपरवाइजर बाजार से पनीर भूर्जी का सारा सामान ला दिया लेकिन रसोइए से गलती हो गई और उसने मटर पनीर बना दिया। इसके बाद जब खाना परोसा गया तो मटर पनीर की सब्जी देखकर टीसी भड़क गया। उसने सुपरवाइजर को बुलाया और इस बात को लेकर विवाद करने लगा। इस दौरान टीसी ने सुपरवाइजर को थप्पड भी जड़ दिया। इस घटना के बाद सुपरवाइजर ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। तारबहार पुलिस को टीसी ने बताया कि टीसी शराब के नशे में था। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

10 वार्डों में जगमगाएंगे सोलर हाई मास्ट लाइटें

दुर्ग। क्रेडा ऊर्जा विभाग द्वारा अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोतो को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऊर्जा के वैल्पिक स्त्रोतो पर बहुत ही तेज गति से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास किये जा रहे है। विजय साहू द्वारा वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में रात्रिकालिन प्रकाश व्यवस्था हेतु क्रेडा विभाग के माध्यम से सोलर हाई मास्ट लाईट संयंत्र हेतु 10 नग की अनुशंसा की गई है। इन 10 वार्डो में से 06 वार्डो में 15 दिसंबर 2022 को एवं शेष 04 वार्डो में 19 दिसंबर 2022 को सोलर हाई मास्ट लाईट स्थापना हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विजय साहू द्वारा पार्षदों एवं वार्ड वासियों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न कराया गया। ग्रीन एनर्जी को शहरों में भी व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु इस कार्य की वार्ड वासियों द्वारा सराहना की गई तथा क्रेडा विभाग को इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया गया। आज के भूमि पूजन कार्यक्रम वार्ड नं. 12 , वार्ड नं. 13, वार्ड नं. 34, वार्ड नंबर 35 में सपन्न किया गया है। जिसमें विजय साहू , धर्मराज शर्मा, विषेश अतिथि नंद कुमार कश्यप, रामा विश्वकर्मा, गिरवर बंटी साहू एवं श्रीमती अंजू सुमन सागर सिन्हा, संतोश नाथ सिंह, इंजीनियर सलमान, टी. आर. ध्रुव तथा सभी संबंधित वार्ड के वार्ड वासियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सपन्न हुआ।

बंदी की मृत्यु की होगी दंडाधिकारी जांच

दुर्ग। केंद्रीय जेल दुर्ग में दंडित बंदी स्व. हितेन्द्र ताम्रकार का संदिग्ध मृत्यु की जुनवानी रोड, भिलाई स्थित शंकराचार्य कोविड सेंटर में हो गई थी जिसमें हत्या एवं लापरवाही की आशंका व्यक्त करते हुए मजिस्ट्रेट जांच एवं आर्थिक सहायता एवं नौकरी की मांग की गई हैं। कलेक्टर एवं जिला दंण्डाधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने बंदी की मृत्यु की दंडाधिकारी जांच हेतु अनुविभागीय दंडाधिकारी छावनी/भिलाई को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। जांच अधिकारी द्वारा निर्धारित बिंदु पर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। जांच के लिए निर्धारित बिंदु है, क्या दंडित बंदी किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित था, क्या बंदी को समय पर पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। बंदी की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, बंदी की मृत्यु के लिए जेल अधीक्षक/कर्मचारी तो जिम्मेदार नहीं है, दंडित बंदी की मृत्यु के लिए क्या इस घटना को टाला जा सकता था, साथ ही जांच अधिकारी उचित समझते हुए जांच करेंगे।

धमधा-नाका में सियान जतन क्लीनिक का संचालन

दुर्ग। राज्य आयुष सोसायटी, राष्ट्रीय आयुष मिशन, संचालनालय आयुष छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय दुर्ग एवं स्पेशिलिटी क्लीनिक, भिलाई 03 में योगा वेलनेस सेंटर की स्थापना की गई। शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय दुर्ग में पदस्थ डॉ. कल्पना ठाकुर, योग चिकित्सक एवं स्पेशिलिटी क्लीनिक, भिलाई 03 में पदस्थ डॉ. आकांक्षा मिश्रा, योग चिकित्सक द्वारा प्रतिदिन प्रात: 06 बजे से 09 बजे तक योगाभ्यास कराया जाता है। साथ ही प्रात: 10.30 बजे से मध्यान्ह 3.30 बजे तक योगा क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। जिसमें रोग के अनुरूप योगाभ्यास एवं जानकारी दी जाती है।

59 स्थापना दिवस पर सेक्टर हेडक्वार्टर और बटालियन में हुए कार्यक्रम

अधिकारी पर भारी पड़े जवान, बच्चों ने भी उछलकर खूब खाई जलेबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । एक ओर अधिकारी तो दूसरी ओर अपना दमखम दिखाते जवान.. एकदूसरे के साथ तालमेल बनाते हुए जवान अधिकारियों पर भारी पड़ गए और उन्होंने अपने ही अधिकारियों को चंद सेंकड में हरा दिया। मौका था एसएसबी के सेक्टर हेडक्वार्टर में रस्साकसी प्रतियोगिता का, जिसमें जवान और अधिकारी आमने सामने थे। वही बच्चों के लिए भी कई रोचक खेल प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें जलेबी दौड़ और बलून रेस सबको खूब भाई। वही दोपहर को ट्रांजिट कैंप में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। सेवा, सुरक्षा और बंधुत्व की भावना के साथ कार्य करते हुए एसएसबी ने अपनी स्थापना के 59 वर्ष पूरे किए। देश की सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही आंतरिक सुरक्षा में तैनात सशस्त्र बल ने छत्तीसगढ़ में भी मोर्चा संभाला है।

2014 से एसएसबी के कांकेर जिले में तैनात होने के बाद भिलाई इस्पात संयंत्र को जीवनदान देने वाली रावघाट की पहाड़ियों से माइंस को निकालकर रेल के रास्ते भिलाई तक पहुंचाना आसान होता चला गया। 95 किलोमीटर की रेल लाइन का काम पूरा होने के बाद अब महज चंद किलोमीटर का काम बचा है।

जिसके बाद करीब दो सालों के भीतर रावघाट स्टेशन तक ट्रेन पहुंचेगी। 20 दिसंबर को अपने स्थापना दिवस पर इन्ही उपलब्धियों के साथ एसएसबी भिलाई सेक्टर हेडक्वार्टर में स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर सुबह कमांडेंट अशोक ठाकुर ने सलामी लेकर एसएसबी के स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों को बताया। इस मौके पर बल के परिवार वालों के लिए कई प्रतियोगिताएं भी रखी गई। जिसमें बच्चों, अधिकारियों और जवानों ने हिस्सा लिया। दोपहर को हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीआईजी ओबी सिंह, कमाडेंट अशोक ठाकुर, बीएसपी के सीजीएम मौजूद थे। वही कार्यक्रम में सेकंड इन कमान बांके बिहारी,डिप्टी कमांडेंट रमेश सरावत, डिप्टी कमांडेंट निहारिका सिन्हा. असिस्टेंट कमाडेंट जयराज सिंह, इंस्पेक्टर कांति पटेल, इंस्पेक्टर लालजी,सहित अधिनस्थ अधिकारी और जवान शामिल हुए।

खूब दिखाया दमखम

सुबह हुई खेल प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा मजा रस्साकसी में सभी ने लिया। यहां एक ओर अधिकारियों की टीम तो दूसरी ओर जवानों की टीम आमने-सामने थी। इस मौके पर सभी के परिजनों ने भी खिलाड़ियों का खूब हौसला बढ़ाया। इसमें जवानों की टीम विजेता रही।

जवानों ने बांधा समां

दोपहर को ट्रांजिट कैंप रिसाली में हुए कार्यक्रम में एसएसबी के जवानों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। जिसमें डांस, गीत के साथ ही कई रोचक कार्यक्रम हुए। इस मौके पर जवानों ने अपनी प्रतिभा को खूब दिखाया। जिसतरह वे फील्ड में परफेक्ट है उसी तरह वे मंच पर भी एक सधे हुए कलाकार की तरह नजर आए।

प्लास्टिक लाओ, कपड़े का थैला पाओ, इसके लिए विभिन्न स्थानों में लगेंगे स्टॉल, महापौर परिषद ने दी मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल तथा निगम आयुक्त रोहित व्यास, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी तथा एमआईसी मेंबर की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में महत्वपूर्ण एजेंडा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन को देखते हुए प्लास्टिक लाओ, थैला पाओ स्टॉल एवं रिवर्स वेंडिंग मशीन की स्थापना के संबंध में रहा। इसे महापौर परिषद ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी है।

इस प्रोजेक्ट के तहत प्लास्टिक अपशिष्ट के सेग्रीगेशन तथा रीसाइक्लिंग हेतु जन जागरूकता का कार्य, नागरिकों द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्पों को अपनाने, लोगो में व्यवहार परिवर्तन, प्लास्टिक अपशिष्ट के संग्रहण प्रणाली में रहवासियों, व्यवसायियों एवं निकाय को सम्मिलित कर सशक्त बनाए जाने, अपशिष्ट प्रबंधन में जुड़े सफाई मित्र के कार्यों का जागरूकता तथा प्लास्टिक अपशिष्ट का उचित तरीकों से प्रसंस्करण किए जाने के उद्देश्य से प्लास्टिक लाओ थैला पाओ स्टॉल तथा रिवर्स वेंडिंग मशीन स्थापित किया जाएगा।

स्टॉल तथा रिवर्स वेंडिंग मशीन की स्थापना ऐसे स्थानों में किया जाएगा जहां लोगों की ज्यादा आवाजाही होती है, इसके लिए प्रमुख मार्केट क्षेत्रों का चयन किया जाएगा। मशीन में प्लास्टिक जैसे झिल्ली, बॉटल, स्ट्रा, मिक्स प्लास्टिक डालने पर कपड़े का थैला मिलेगा, इससे लोगो को एक प्रकार से बहुत राहत मिलेगी और सफाई के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक का सफाया भी हो सकेगा। भिलाई वासियों के लिए यह बेहद कारगर साबित होगा। स्वच्छता की दिशा में एक अच्छी पहल की शुरुवात भी होगी। इसके लिए एमआईसी ने अनुशंसा करके शासन को स्वीकृति के लिए भेजने की मंजूरी दी है। इसके अलावा बैठक में वार्ड क्रमांक 12 के विभिन्न स्थानों में पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य, सेक्टर 1 सड़क 17 से सड़क 21 के मध्य पेवर ब्लॉक लगाकर फुटपाथ निर्माण कार्य, बापू नगर मोची मोहल्ला एवं गौतम नगर को जोड़ने हेतु नाला किनारे रोड निर्माण का कार्य को स्वीकृति प्रदान की है।

इसके साथ ही स्वच्छता कार्यों के लिए निविदा मैच्योर होने तक स्वच्छता कार्य की अवधि को बढ़ाकर कार्यरत एजेंसी से काम लिए जाने का निर्णय लिया गया है, ताकि सफाई कार्य जो अत्याआवश्यक सेवा है वो प्रभावित न हो। आज की बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एंथोनी, मालती ठाकुर, साकेत चंद्राकर, एकांश बंछोर, केशव चौबे, चंद्रशेखर गवई, नेहा साहू, रीता सिंह गेरा, मीरा बंजारे एवं लालचंद वर्मा मौजूद रहे तथा अधिकारियों में जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, येशा लहरे, खिरोद्र भोई आदि मौजूद रहे।

आयुक्त आईएएस के निर्देश: निगम एक्शन मोड़ पर, नही बच पायेंगे अब बकायादार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आयुक्त आईएएस लक्ष्मण तिवारी के सख्त निर्देश पर वसूली के लिए नगर निगम ने बड़े बकायादारों को कुर्की वारंट थमाया। निगम ने कहा है कि अगर ईमानदारी से सभी बकायादार टैक्स जमा कर दे हैं। इससे नागरिक सुविधाओं में और इजाफा होगा। लंबे समय से कर का भुगतान नहीं करने वाले बकायादारों पर निगम ने एक बार फिर शिकंजा कसना शुरू किया है।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि वसूले 21 नवंबर से लेकर आज 19 दिसम्बर तक का वसूली 2 करोड़ 13 लाख रुपए की गई है। लोगो को कुर्की वारन्ट जारी होने से वारन्ट मिलते ही बकाया दार जमा कर रहे है। निगम

आयुक्त आईएएस लक्ष्मण तिवारी ने बताया कि इन बकायादारों का बकाया कर का भुगतान करने के लिए पहले भी डिमांड नोटिस जारी किया गया था।लेकिन बकाया दार नोटिस को हल्के में ले रहे थे।लेकिन शख्ती दिखाने पर बकायादारो पर इसका असर देखने को मिला।मिली जानकारी के अनुसार कुर्की वारन्ट मिलते ही लोग बकाया राशि जमा कर रहे है। आयुक्त के निर्देश पर राजस्व विभाग एक्शन मोड़ पर आ गए है।

श्रीराम कथा में प्रेरक प्रसंग, चिन्मयानंद बापू ने कहा-

भगवान जिससे ज्यादा प्रेम करते हैं उसके ही नयन भिगोते हैं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जीवन जीने की कला केवल मानस को समझकर ही संभव है। मानस से हमें सीख मिलती है कि हमें किन-किन बातों से सावधान रहना है और किन विचारधारा को आत्मसात करना है। रामायण से मन आत्मिक, बौद्धिक और चारित्रिक विकसा होता है। जिस तरह राजनीतिज्ञ को शहर के विकास के बारे में सोचना चाहिए उसी तरह अपने शहरवासियों के मन के विकास का भी प्रयास करना चाहिए। रामकथा ही एक ऐसा माध्यम से जिससे पूरा विकास संभव है।

खुर्सीपार के दशहरा मैदान में चल रही श्रीरामकथा के छठवें दिन राष्ट्रसंत बापू चिन्मायनंद ने कहा कि जीवन आनंद फाउंडेशन के संचालक एवं पार्षद विनोद सिंह एवं श्रीरामजन्मोत्सव समिति के जिलाध्यक्ष मनीष पांडेय ने ऐसा ही प्रयास किया है जिससे लोगों को मानसिक सुख मिल सकें। क्योंक जीवन का असली सुख हरि चरणों में ही है। उन्होंने सोमवार को सीता की विदाई के प्रसंग के साथ ही अयोध्या कांड की कथा सुनाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रमशीला साहू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, श्रीरामजन्म उत्सव के जिलाध्यक्ष युवा प्रभाग मनीष पांडेय, जीवन आनंद के फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद सिंह, तेज बहादूर सिहं, पियुष मिश्रा, बुधन ठाकुर, जोगिंदर शर्मा, बंटी पांडेय, रमेश माने, अजय पाठक, राजेश त्रिपाठी, उमेश मिश्रा, अजीत सिंह, प्रकाश यादव, टोपा, श्रीनु, नील मानिकपुरी, शंकर केडिया, पवन भारद्वाज, सोनू शर्मा, आदि मौजूद थे। बापू ने सीता की विदाई का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि बेटियां तो कुल का गौरव होती है। जीवन में नारी ही सबसे ज्यादा त्याग करती है। विवाह के बाद उसे अपने बचपन के रिश्ते-नाते, घर-परिवार सबकुछ छोड़कर नए कुल में आना होता है, जबकि पुरुष अपने ही घर में रहता है। उसे कुछ भी नहीं छोड़ना पड़ता। इसलिए हमेशा नारी का सम्मान करना चाहिए। नारी के कंधों पर दो कुल की जिम्मेदारी होती है। यदि नारी कोई गलत कदम उठाती है तो उसके पिता और पति यानी दोनों परिवार की बदनामी होती है। इसिलए नारी को महान माना गया है। बापू ने कहा कि हमें अपने जीवन में बैलेस बनाए रखना चाहिए। अति किसी भी चीज की अच्छी नहीं होती। चाहे वह ज्यादा खाना हो या ज्यादा भूखे रहना। उन्होंने कहा कि जीवन को सरल बनाए और तालमेल बनाकर चलें। क्योंक वीणा के तार को भी ज्यादा कसेंगे या ज्यादा ढीला छोड़ेंगे तो उससे सुर अच्छे नहीं निकलेंगे। जब अयोध्या में श्री राम को राजा बनाने का विचार राजा दशरथ को आया था तब उन्हें तुरंत अमल करना था, क्योंकि अच्छे काम को करने का मुहूर्त नहीं देखना चाहिए। बापू ने कहा कि मन में अच्छे विचार आए तो उसे तुरंत अमल करना चाहिए।

आंसू प्रेम की पहली शर्त

बापू चिन्मायनंद ने कहा कि माता सीता की विदाई में पूरा जनकपुर रो पडा और चारों ओर उदासीनता छा गई क्योंकि श्रीराम ने सबके मन को प्रेम से भर दिया और प्रेम की पहली शर्त ही आंसू है। उन्होंने कहा कि भगवान उन्हें ही अश्रु देते हैं जिनसे वे प्रेम करते हैं। उन्होने भरत का भी उदाहरण दिया कि राम को भरत प्राणों से प्यारे थे और भरत जी की आंखों में हमेशा आंसू रहे। उन्होंने बृजवासियों के बारे में कहा कि गोविंद को बृजवासी प्रिय थे इसलिए वे उन्हें छोडकर गए और उन्हें जाते वक्त आंसू दे गए। वे उनके पास दोबारा लौटकर नहीं आए। मीरा ने भी गोविंद से प्रेम किया और भयंकर दुख पाया। इसलिए अगर आपके जीवन में आंसू है तो यह समझना कि भगवान आपको अपने करीब रखना चाहते हैं।

रिसाली ने एहतियाती कदम उठाने ली बैठक

स्वच्छता को लेकर स्वास्थ्य प्रभारी ने अलर्ट रहने कहा, पानी की हो रही हर दिन जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। डायरिया के प्रकोप से बचने नगर पालिक निगम रिसाली ने एहतियाती कदम उठाना शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग प्रभारी गोविन्द चतुर्वेदी ने सुपरवाइजरों की बैठक ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नालियों की सफाई पर विशेष नजर रखा जाए। वहीं पानी सैंपल जांच रिपोर्ट को अनिवार्य रूप से अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करे।

रिसाली निगम के सीमा क्षेत्र से लगे हुए भिलाई निगम में फैले डायरिया प्रभावितों की संख्या बढ़ने पर सोमवार को जनस्वास्थ्य विभाग की बैठक बुलाई गई। प्रभारी एमआईसी गोविन्द चतुर्वेदी ने घनी आबादी वाले क्षेत्रों की समीक्षा की। निर्देश दिया गया कि सुपरवाइजर अपने-अपने क्षेत्र में अलर्ट रहे। जहां नालियों में जाम की स्थिति है उसे तत्काल क्लीयर करे। कचरा को जमा होने न दे। बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी चन्द्रभान ठाकुर, लोकनिर्माण प्रभारी अनुप डे के अलावा जनस्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी बृजेन्द्र परिहार उपस्थित थे। स्वास्थ्य विभाग प्रभारी ने सभी सुपरवाइजर को निर्देश दिए कि वे मितानिन के संपर्क में रहे। सुबह शाम वार्ड की स्वास्थ्यगत जानकारी अनिवार्य रूप से ले। संभावित मरीज मिलने पर निगम अधिकारियों को सूचना दे। बैठक में कहा गया कि निगम के कर्मचारी जागरूकता के लिए प्रचार प्रसार करें। संवेदनशील क्षेत्र में पानी जमा होने न दे। साथ ही घनी आबादी व पॉश कालोनी में पानी को उबालकर पीने संबंधी मुनादी अनिवार्य रूप से कराया जाए। प्रभारी ने कहा कि बीमारी पॉव पसारे इसके पहले सभी अलर्ट होकर एहतियाती कदम उठाए। बैठक में निर्देश दिया गया कि पानी सैंपल अधिक से अधिक लिया जाए। रिपोर्ट में बैक्टिरियां होने की पुष्टी होने पर उपचार तत्काल किया जाए। साथ ही कहा गया कि अगर नाली में पेयजल पाइप लाइन नजर आने पर सबसे पहले यह देखे कि लिकेज की शिकायत तो नहीं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950